भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 47 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 अगस्त 2025 बुधवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

शादी के दबाव से नाराज होकर प्रेमी संग नेपाल चली गई थी अर्चना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर में रहकर सिविल जज की तैयारी कर रही अर्चना तिवारी को रेलवे पुलिस सही सलामत भोपाल लेकर आ गई है। 13 दिन से लापता अर्चना ने दोस्तों के साथ नेपाल जाने का प्लान बनाया और फिर एक दोस्त सारांश के साथ वहां पहुंच गई। पुलिस के अनुसार अर्चना का सारांश के साथ अफेयर था और वह उससे शादी करना चाहती थी, लेकिन उसके माता-पिता उसकी मर्जी के खिलाफ उसकी शादी करना चाहते थे इसलिए वह बिना बताए चली गई। हालांकि बाद में सारांश पलट गया और उसे पुलिस ने पहले राउंडअप कर लिया। बाद में अर्चना ने लौटते समय नेपाल बॉर्डर पर लखीमपुर खीरी से अपनी मां को फोन किया तब पुलिस को उसकी लोकेशन का पता चला। अर्चना को उसके माता-पिता के सुपुर्द करने की कार्रवाई की जा रही है। भोपाल रेलवे पुलिस अधीक्षक राहुल लोढ़ा ने बताया कि पिछले कुछ समय से अर्चना के माता-पिता उस पर शादी का दबाव डाल रहे थे, जो उसे मंजूर नहीं था। इसी बात पर उसने नाराज होकर अपने दोस्तों के साथ दूर चले जाने का फैसला किया। इन दोस्तों में एक इंदौर का रहने वाला सारांश है जबकि एक इटारसी का रहने वाला तेजेंदर है। खास बात यह है कि यह दोनों अर्चना से इंदौर में ही मिले थे और प्लानिंग में शामिल थे, लेकिन उसके साथ नेपाल नहीं गए। पुलिस ने इन दोनों को भी पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन चूकि अर्चना बालिग है और अपनी मर्जी से गई थी, इसलिए कोई केस दर्ज नहीं किया गया है।

दो दोस्तों के साथ मिलकर बनाया प्लान लेकिन एक के साथ काठमांडू पहुंची

नेपाल बॉर्डर से लेकर आई रेलवे पुलिस ने माता-पिता को सौंपा

यह है मामला : कटनी निवासी अर्चना तिवारी राखी से दो दिन पूर्व 7 अगस्त को इंदौर बिलासपुर एक्सप्रेस से कटनी जाने के लिए निकली थी। इसके बाद वह ट्रेन में सफर के दौरान रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। उसका मोबाइल बंद हुआ तो परिजन को चिंता हुई और परिजन ने जीआरपी में अर्चना की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जीआरपी की टीम ने अर्चना तिवारी के मोबाइल की टॉवर लोकेशन और सीडीआर निकलवाई। सीडीआर में पता चला कि वह ग्वालियर के पुलिसकर्मी से दो साल से संपर्क में थी। जीआरपी ने पुलिसकर्मी से संपर्क किया तो पता चला कि उसकी दोस्ती अर्चना से है, लेकिन उसे नहीं पता कि अर्चना अभी कहां है।

फोन कॉल पर नेपाल-भारत सीमा पर बुलवाया

जानकारी के मुताबिक अर्चना नेपाल की राजधानी काठमांडू में थीं। लोकेशन ट्रेस करने के बाद पुलिस ने उसे फोन कॉल पर नेपाल-भारत सीमा पर बुलवाया और भारत की सीमा में प्रवेश करते ही उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी से बरामद कर लिया। भोपाल की रानी कमलापति जीआरपी थाना टीम अर्चना को लेकर भोपाल आ गई है।

राज्य स्तरीय समारोह में सीएम यादव ने संपूर्णता अभियान के तहत अफसरों को सम्मानित किया

नीति आयोग के टास्क पर संपूर्णता के लिए मप्र के अफसरों को मैडल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में नीति आयोग द्वारा चलाए गए संपूर्णता अभियान में अच्छा काम करने वाले जिलों के कलेक्टर और तत्कालीन कलेक्टरों को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज सम्मानित किया। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुए समारोह में सीएम 8 अफसरों को गोल्ड मैडल से सम्मानित किया। आज 8 जिलों के अधिकारी बुलाए हैं, बाकी के अवॉर्ड जिलों में भेजे जाएंगे। सबसे पहले बड़वानी के कलेक्टर गुंचा सनोबर, तत्कालीन कलेक्टर राहुल हरिदास और दमोह के कलेक्टर सुधीर कोचर को गोल्ड मैडल दिया गया।

दरअसल नीति आयोग ने पिछली जुलाई से 30 सितंबर तक 6 पैरामीटर तय कर जिलों को टास्क किए थे। जिन जिलों ने सौ फीसदी टास्क पूरा किया है, उन जिलों को गोल्ड कैटेगरी में सम्मानित किया गया है। जिला और ब्लॉक को अलग-अलग कैटेगरी में रखा था। इनमें पहली तिमाही के भीतर प्रसव पूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, ब्लॉक में लक्षित आबादी की तुलना में शुगर जांच, उच्च रक्तचाप की जांच, नियमित पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत आदि टास्क थे। इस स्तरीय संपूर्णता अभियान समारोह में सम्मान के लिए बड़वानी कलेक्टर गुंचा सनोबर, राहुल हरिदास फटिंग (तत्कालीन), दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर, धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता, अनूप कुमार सिंह (तत्कालीन) निवाड़ी कलेक्टर लोकेश जांगिड़, अरुण कुमार विश्वकर्मा (तत्कालीन), टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय, अवधेश शर्मा (तत्कालीन) और विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता, रोशन कुमार सिंह (तत्कालीन) को चुना गया।

अभ्युदय की शुरूआत: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आज शैक्षणिक सत्र अभ्युदय की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी और प्रख्यात कवि एवं रामकथा मर्मज्ञ कुमार विश्वास के मुख्य वक्तव्य से हुई। कार्यक्रम में माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण भी हुआ। नवागत विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, पत्रकारिता की परंपराओं और सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का आह्वान किया गया। इस मौके पर 'पोषण अभियान' का समापन भी हुआ। अभियान के तहत 1111 पौधे लगाए गए। हालांकि इससे पहले मुख्यमंत्री के सभागार में प्रवेश करते ही अचानक बिजली गुल हो गई। इस दौरान छात्रों ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाए।

30 दिन जेल में रहे तो जाएगी नेताजी की कुर्सी

नई दिल्ली , एजेंसी

केंद्र सरकार लोकसभा में आज महत्वपूर्ण विधेयक पेश कर रही है। जिनका उद्देश्य यह है कि यदि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में गिरफ्तार या हिरासत में लिया जाता है तो उन्हें उनके पद से हटाया जा सके। दरअसल, मौजूदा वक्त में ऐसा किसी भी कानून में प्रावधान नहीं है कि गिरफ्तारी या न्यायिक हिरासत की स्थिति में नेताओं को उनके पद से हटाया जा सके। इन्हीं खामियों को दूर करने के उद्देश्य से सरकार ने विधेयक तैयार किए हैं जो गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपी नेताओं पर नकेल कसेंगे। कानून की धारा 45 में संशोधन कर ऐसी स्थिति के लिए कानूनी प्रावधान जरूरी माना गया है। उल्लेखनीय है कि बतौर सीएम अरविंद केजरीवाल भी काफी समय जेल में रहे थे। अब पारित होने के बाद कोई मंत्री लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहा तो उसे 31 वें दिन मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल द्वारा हटा दिया जाएगा,मुख्यमंत्री संज्ञान नहीं गे तो मंत्री स्वतः हट जाएगा। इसके अलावा आज पेश हो रहे विधेकयों में संघ राज्य क्षेत्र सरकार संशोधन, संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक शामिल है। बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इन तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने के लिए लोकसभा में प्रस्ताव भी पेश करेंगे।

केंद्र सरकार कर रही कानून में बदलाव, विधेयक पेश होगा

विपक्ष बेहद नाराज,हंगामा : उधर विपक्ष ने इस बिल पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसका बिल का कड़ा विरोध करने की बात कही है। खबरों के मुताबिक एक विपक्षी सांसद ने यहां तक कहा कि जब इसे लोकसभा में पेश किया जाएगा तो इसे पेश भी नहीं होने देंगे। वहीं जानकार यह भी कह रहे हैं कि केंद्र सरकार के हाथ में सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय और एनआईए जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियां हैं। वह किसी भी विपक्षी पार्टी के सीएम या उसके किसी मंत्री पर आरोप लगाकर जांच के नाम पर हिरासत में रख सकती है और जांच के दौरान 30 दिन जेल में रखना कोई नई बात नहीं है।

23 जिलों में हेवी रेन, तवा डैम के पांच गेट खुले

भोपाल। मध्यप्रदेश के जबलपुर, रतलाम समेत आज 23 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। जबकि इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में हल्की बारिश होने के आसार हैं। भोपाल में सुबह से रुक-रुककर फुहारें हैं। जबकि नर्मदापुरम में तवा डैम के 13 में से पांच गेट खोले गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी होने से मध्यप्रदेश में अगले चार दिन ऐसा ही मौसम रहेगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री को जनसुनवाई के दौरान जड़ा थप्पड़, पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली , एजेंसी

आज सुबह एक सनसनीखेज घटनाक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सीएम हाउस में ही जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ। उन्हें एक व्यक्ति ने कथित तौर पर थप्पड़ मारा। इसके बाद पुलिस ने उस व्यक्ति को दबोच लिया और पूछताछ कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी शख्स ने अपना नाम राजेश भाई खिमजी (41) बताया है। वो गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। इधर, घटना के बाद दिल्ली के मुख्य सचिव समेत कई मंत्री मुख्यमंत्री आवास पहुंचे हैं। खबरों के मुताबिक आरोपी का कोई परिजन जेल में है। उसको छुड़वाने के लिए वह अर्जी लेकर आया था। बताया जा रहा है कि दस्तावेज सौंपने के बाद शख्स ने अचानक मुख्यमंत्री पर हमला कर दिया। इस बीच दिल्ली पुलिस ने गुजरात पुलिस से शख्स के बारे में और भी जानकारी जुटाने के लिए संपर्क किया है। भाजपा प्रवक्ता प्रवीणशंकर ने कहा कि आरोपी की किसी राजनीतिक दल से सीधे कनेक्शन की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन उसके हमले से पहले दिए गए बयान संकेत देते हैं कि वह दिल्ली में अपनी

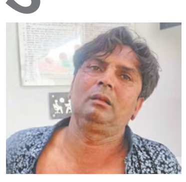

स्थिति को लेकर असंतुष्ट किसी पार्टी से जुड़ा हो सकता है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सक्सेना ने कहा- आरोपी शख्स ने सीएम का हाथ पकड़कर खींचा। इसी दौरान उनका सिर मेज से कोने से लगा। उनके सिर पर चोट आई है, थप्पड़ वाली बात गलत है। कांग्रेस के प्रमुख देवेंद्र यादव ने कहा- घटना दुर्भाग्यपूर्ण है।जितनी निंदा की जाए, वह कम है। आम आदमी पार्टी नेता आतिशी ने लिखा- रेखा गुप्ता पर हमला निंदनीय है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध की जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

मंत्री के बंगले के पास 43 अधजले वोटर आईडी बरामद

टीकमगढ़,एजेंसी

देर रात सिविल लाइन रोड पर स्थित केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के सरकारी बंगले के पास से 43 वोटर आईडी कार्ड बरामद हुए हैं। इनमें भी कई वोटर आईडी कार्ड जली हालत में मिले। आशंका जताई जा रही है कि इन्हें जलाने की कोशिश की गई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार और पटवारी समेत प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने इन कार्ड्स को जब्त कर लिया। पूरे मामले की जांच की जा रही है। तहसीलदार सत्येंद्र सिंह गुर्जर ने वोटर आईडी कार्ड्स के दुरुपयोग की आशंका जताई है। बताया जाता है कि को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी जब केंद्रीय मंत्री के बंगले पर पहुंचे तो उन्हें बंगले के बगल में सड़क पर वोटर कार्ड आईडी पड़े दिखाई दिए।

सागर की क्रांति गौड़ का भारतीय क्रिकेट टीम में चयन

सागर , दोपहर मेट्रो। डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन सागर की प्रतिभावान खिलाड़ी क्रांति गौड़ का चयन भारतीय महिला क्रिकेट टीम में आगामी महिला क्रिकेट विश्वकप के लिए किया गया है। एसोसिएशन अध्यक्ष एवं नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल सागर, बल्कि पूरे बुंदेलखंड और मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। क्रांति ने लगातार मेहनत, अनुशासन और शानदार प्रदर्शन से यह मुकाम हासिल किया है। लारिया ने कहा कि क्रांति ने अपनी मेहनत और लगन से साबित किया है कि सागर की धरती प्रतिभाओं से भरपूर है एसोसिएशन चेयरमैन प्रोफेसर केएस पित्रे, सचिव पुष्पेन्द्र सिंह ठाकुर एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी क्रांति गौड़ को बधाई दी।

छत्तीसगढ़ में साय कैबिनेट में तीन नए चेहरे, शपथ ली

रायपुर। सीएम विष्णुदेव साय कैबिनेट का आज विस्तार हुआ। इसमें पहली बार के तीन नये विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दुर्ग संभाग से दुर्ग शहर विधायक विधायक गजेंद्र यादव, सरगुजा संभाग से अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, रायपुर संभाग से आरंग विधायक और सतनामी समाज के गुरु खुशवंत साहेब ने मंत्री पद की शपथ ली। हाल में सीएम साये ने कहा भी था कि मंत्रिमंडल का विस्तार उनके विदेश दौरे से पहले भी हो भी सकता है।

मेट्रो एंकर

पक्ष और विपक्ष के उम्मीदवारों के एक ही क्षेत्रीय मूल ने दिया चुनाव को दिलचस्प मोड़

इंडिया ब्लॉक के 'सुदर्शन चक्र' में फंसी मोदी सरकार, अब नायडू ही अकेले खेवनहार!

नईदिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति चुनाव की असल सरगर्मी विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक द्वारा पूर्व जज बी.सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार घोषित करने के बाद बढ़ी है। यह चुनाव क्षेत्रीय और राजनीतिक समीकरणों के कारण बेहद रोचक होता जा रहा है। दूसरी ओर सत्तारूढ़ एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल और तमिलनाडु से आने वाले सीपी राधाकृष्णन को मैदान में उतारा है। दोनों उम्मीदवारों के क्षेत्रीय मूल ने इस चुनाव को दिलचस्प मोड़ दे दिया है। इससे एनडीए और इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के सामने धर्मसंकट खड़ा हो गया है। ऐसे में आंध्रप्रदेश के सीएम नायडू के रुख पर निगाहें हैं क्योंकि सुदर्शन किसी वक्त नायडू के करीबी माने जाते थे और अब नायडू ही केंद्र की मोदी सरकार के सबसे बडे खेवनहार माने जाते हैं लेकिन वे आंध्र के गौरव और गठबंधन की वफादारी के बीच फंस गए हैं। इंडिया गठबंधन की इसी रणनीति ने एनडीए को मुश्किल में डाल रखा है। सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाने के बाद आंध्र की राजनीति में भी नया समीकरण बना है। अब आंध्र में सत्ताधारी टीडीपी और विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के लिए यह फैसला चुनौतीपूर्ण है। टीडीपी पर दबाव बढ़ रहा है कि वह अपने राज्य के नेता का समर्थन करे। हालांकि जगनमोहन रेड्डी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बातचीत के बाद एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन के समर्थन की घोषणा कर चुके थे लेकिन अब सुदर्शन रेड्डी के मैदान में उतरने से उनकी स्थिति जटिल है।

एनडीए के पास लोकसभा में 293 सांसद

आंध्र प्रदेश में उनकी पार्टी का आधार रेड्डी समुदाय में है। अभी एनडीए के पास लोकसभा में 293 सांसद हैं, यदि नायडू ने उपराष्ट्रपति मामले में पाला बदला तो संख्या 277 रह जाएगी तथा इसे नायडू की बगावत भी माना जाएगा। अभी लोकसभा में बहुमत के लिये 272 की दरकार होती है। ऐसे में मोदी सरकार पर खतरा बढने लगेगा। राज्यसभा में भी नायडू की पार्टी के सदस्य हैं। इसलिये चुनाव और सत्तासमीकरण दोनों ही बदलने के आसार नजर आ रहे हैं।

पानी-पानी हुआ शहर

भोपाल। पुराने शहर के पुरानी सब्जी मंडी डीआईजी बंगले चौराहे पर तेज बारिश के कारण सड़कों पर भरा पानी

तिमाही व अर्द्व वार्षिक परीक्षा के लिए शैक्षणिक कैलेंडर जारी

सितंबर में तिमाही और दिसंबर में अर्द्व वार्षिक परीक्षाएं होंगी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

स्कूलों में सितंबर में तिमाही और दिसंबर में अर्द्‌ध वार्षिक परीक्षाएं होंगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक कैलेंडर जारी किया है। विभाग के समक्ष चुनौती अर्द्‌धवार्षिक परीक्षा को लेकर है। यदि परीक्षा में ज्यादा विद्यार्थी कमजोर निकले, तो उनकी तैयारी कराने में शिक्षकों को ज्यादा मेहनत करनी होगी। इसलिए संकुल प्राचार्यों को अभी से बच्चों की तैयारी पर विशेष जोर देने के लिए कहा गया है।

इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अर्द्‌धवार्षिक परीक्षाएं होने के बाद अतिरिक्त विशेष कक्षाएं लगेंगी। इन कक्षाओं में उन विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा, जो इस परीक्षा में कमजोर चिन्हित किए जाएंगे। संकुल प्राचार्यों को लक्ष्य दिया जाएगा कि जनवरी तक उन्हें हर विषय में दक्ष बनाना होगा। इसके बाद रिवीजन कराया जाएगा। विद्यार्थियों की जो कमजोरियां और समस्याएं हैं, उनका समाधान शिक्षक कक्षाओं में ही करेंगे।

विभाग के अफसरों ने बताया कि डीईओ को निर्देश दिए गए हैं कि शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस पर पूरा फोकस किया जाए। ई-अटेंडेंस हर शाला में शत-प्रतिशत होना चाहिए। जो शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति नहीं भर रहे हैं, उन पर सख्त कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार किया जाए। अब ई-अटेंडेंस से दूरियां बनाने वाले शिक्षकों पर कोई रहम न हो, क्योंकि जुलाई में शिक्षक ऐप पर शिक्षकों की उपस्थिति का आंकड़े 40 फीसदी से कम रहा है। ऐसे में जब शिक्षक नियमित विद्यालयों में पहुंचेंगे तो निश्चित तौर पर अध्यापन व्यवस्था भी सुधरेगी।

सड़कों पर गड्ढे मिलने पर इंजीनियर निलंबित

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अरविंद विहार और बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी में सड़क पर गड्ढे मिलने पर नगर निगम के सहायक यंत्री प्रदीप जरिया को निलंबित कर दिया गया है तथा कार्यपालन यंत्री बृजेश कौशल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जानकारी के मुताबिक नगरीय प्रशासन विकास विभाग के ईएनसी प्रदीप मिश्रा ने इस क्षेत्र की सड़कों का दौरा किया था। उन्होंने गारंटी वाली सड़कों में गड्ढे और कुछ इलाके में डामरीकरण घटिया क्वालिटी का पाया था। मिश्रा की रिपोर्ट पर आयुक्त नगरीय प्रशासन संकेत भोंडवे ने निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण को कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

मेट्रो दौड़ाने के दावों के बीच शहरियों के सामने बड़ी समस्या

लाल बस सेवा लड़खड़ाई, शहर के भीतर आवागमन हुआ मुश्किल

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मेट्रो को पटरियों पर दौड़ने के मंसूबे पूरे मन से बना रहे अफसर सड़कों पर दौड़ती बसों के थम जाने पर उतने फिक्रमंद नहीं नजर आ रहे। राजधानी की सिटी बस सेवा चरमरा चुकी है। कभी पब्लिक ट्रांसपोर्ट की रीढ़ मानी जाने वाली यह सेवा अब सड़कों पर नदारद सी है। किसी भी दिन इसके रहे सहे प्रतीक यानि बसें भी बंद हो सकती हैं।

शहर में करीब पंद्रह साल पहले बीआरटीएस के साथ शुरू हुई यह सेवा डेढ़ दशक में पूरी तरह चरमरा चुकी है। पहले जहां 24 रूट पर 368 बसें चलती थीं, अब केवल छह रूट पर 80 बसें ही बची हैं। इनमें से भी पांच से सात रोजाना मेंटेनेंस के कारण नहीं चल पातीं। जिन लोगों के पास खुद के वाहन नहीं हैं या अन्य वजहें हैं उनके लिए कम दामों में शहर में आवागमन का विकल्प लगभग खत्म सा है और महंगे व निजी विकल्प के रूप में ऑटो रिक्शा या टैक्सी सामने हैं। दरअसल, मौजूदा स्थिति अभी और बिगड़ सकती है, क्योंकि भोपाल

सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) और मौजूदा आपरेटर का अनुबंध खत्म हो रहा है। नवीनीकरण न होने पर रोजाना पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर निर्भर करीब डेढ़ लाख यात्रियों को निजी वाहन, आटो या कैब का सहारा लेना पड़ेगा। जबकि पहले बसों की फ्रीक्वेंसी पांच से दस मिनट की थी, लेकिन अब यात्रियों को आधा घंटा से लेकर 40-45 मिनट तक इंतजार करना पड़ रहा है। नतीजतन बस यात्रियों की संख्या घटकर महज 10 से 12 हजार रह गई है।

इलेक्ट्रिक बसें आने से समस्या हल होगी

जानकार सूत्रों की मानें तो अनुबंध नवीनीकरण न होने और ई-बसों की डिलीवरी टलने से यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। यदि बसें नहीं बढी और बाकी भी बंद होती रहीं तो यात्रियों के सामने ई रिक्शा या ऑटो रिक्शा ही विकल्प बचेगा और मनमाना किराया भी सिर पडेगा। राजधानी में फिलहाल एसआर-2 नीलबढ़-कटारा हिल्स, एसआर-4 करोंद-बैरागढ़ चीचली, एसआर-5 चिरायु-अवधपुरी, टीआर-4 बी गांधी नगर-वर्धमान, मिडी बस रूट 413 नीलबढ-कोकता और टीआर-4 चिरायु-रानी कमलापति स्टेशन ही चालू हैं। हालांकि बीसीएलएल के अधिकारियों का कहना है कि इलेक्ट्रिक बसें आने से समस्या हल होगी। करीब 100 ई-बसों को मंजूरी दो साल पहले मिल चुकी थी, लेकिन अब तक डिलीवरी नहीं मिली। नवंबर-दिसंबर तक आने की संभावना है, पर संचालन नए साल से पहले मुश्किल दिख रहा है। इधर, बाग सेवनिया डिपो में 149 बसें डेढ़ साल से खड़ी हैं। ऑपरेटर भुगतान विवाद के चलते उन्हें सड़क पर उतारने को तैयार नहीं है। मामला अदालत में लंबित है।

समितियों को पंडालों के लिए विद्युत वितरण कंपनी से लेना होगा अस्थायी कनेक्शन

गणेशोत्सव आयोजकों को बिजली कनेक्शन की रसीद दिखाना होगी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

गणेशोत्सव की शुरूआत से पहले ही बिजली अमला आवश्यक इंतजामों में जुटा है। झांकियों पंडालों के लिये अस्थायी कनेक्शन देने विद्युत वितरण कंपनी ने उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेने को कहा है। कंपनी के पोर्टल पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किये जा सकेंगे। इसमें लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करना होगी। कंपनी ने कहा है कि आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा करके रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल झॉकी के सामने लगाना जरूरी होगा। स्वीकृति से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए नही करने की हिदायत भी दी गई है। कंपनी ने कहा है कि अधिक भार से ट्रांसफार्मर के जलने की संभावना तथा दुर्घटना की आशंका रहती है। अनधिकृत विद्युत उपयोग करने पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत उपयोगकर्ता एवं जिस विद्युत ठेकेदार से कार्य कराया गया है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही भी होगी।

मुखबिरों का नेटवर्क भी

बताया जाता है कि बिजली कंपनी भी पुलिस की तर्ज पर मुखबिर तंत्र खड़ा करने की कोशिश में है इस दिशा में अभी काफी काम हो चुका है। कई मुखबिर राजधानी में बिजली चोरी की सूचना कंपनी तक पहुंचाते हैं और अमला दबिश देकर कार्रवाई करता है। गौरतलब है कि कुछ समय में 106 मुखबिरों ने बिजली चोरी के ठिकाने 199 बताए हैं। इनमें से 62 जगह दबिश देकर कंपनी ने 16 लाख रुपए वसूल कर लिए। सूचना देने वाले 19 मुखबिरों को 50 हजार रुपए इनाम बांटा जा चुका हैं। ज्ञात हो कि चोरी पकड़ने पर कुल राशि का 10 प्रतिशत इनाम मुखबिर को मिलता है। केस दर्ज होने के बाद वसूले गए बिल की राशि का 5फीसद किस्त के रूप में दिया जाता है बाकी वसूली पूरी होने पर अगली किस्त दी जाती है।

काटजू का दौरा: संयुक्त राष्ट्र की टीम ने मां और बच्चे के स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं का लिया जायजा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के प्रतिनिधिमंडल ने कैलाशनाथ काटजू अस्पताल का दौरा किया। इसका उद्देश्य प्रदेश में मां और बच्चे के स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं को समझना था। इसमें संगठन की भारत प्रतिनिधि और भूटान की कंट्री डायरेक्टर, आंद्रिया एम. वोजनार ने इस टीम की अगुवाई की। उनके साथ जयदीप बिस्वास, साहिल कपूर और सुनील जैकब भी थे। अस्पताल की तरफ से नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे और अधीक्षक डॉ. बलराम

उपाध्याय ने टीम को अस्पताल में मां और नवजात शिशु की देखभाल के लिए चल रहे कामों की जानकारी दी। टीम ने अस्पताल के मैटरनिटी ऑपरेशन थिएटर, लेबर रूम और रोशनी क्लिनिक का जायजा लिया। डॉ. रचना दुबे ने बताया कि काटजू अस्पताल में राष्ट्रीय स्तर के सभी मापदंडों का पालन किया जा रहा है।

रेलवे के एसीटीआई तिवारी निधन

भोपाल. रेलवे में सहायक मुख्य टिकट निरीक्षक देवेन्द्र तिवारी को कल देर रात हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। वे 56 वर्ष के थे। वे एक बेटा, बेटी, चार भाई और भरा पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। उन्होंने 25 साल तक अपनी सेवाएं दीं। परिजनों ने बताया कि शाम करीब चार बजे उनकी तबीयत बिगड़ी थी, एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।सुभाषनगर विश्राम घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके बेटे दिव्यांश ने दी। विश्रामघाट पर बड़ी संख्या रेलवे उनके साथी और आध्यात्मिक से जुड़े लोग मौजूद थे। तिवारी स्काउट में राष्टपति अवार्ड प्राप्त थे। जीवन में आध्यात्मिक प्रवृति के सरल स्वभाव के धनी थे।

मेट्रो एंकर अंतरंग संगीत समागम में छह घंटे सुर साधना, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्रीराम तिवारी थे खास मेहमान

नंदिनी के सुरमय स्वर से बरसा रसरंग

अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के भाई केके सहाय ने सहगल और मुकेश को किया जीवंत

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल में गत रात्रि से ही एक अंतरंग संगीत समागम में भारतीय सुगम संगीत ने सभी नौ-रस की वर्षा कर मेहफिल के मेहमानों को विभोर कर दिया । इसका आयोजन राजधानी की जानीमानी कोयल-कंठी गायिका नंदिनी सोमानी ने अपने मशहूर बैनर तले किया । इसका नाम है 'सुरमय स्वर' मेहफिल शाम 5 बजे से रात 11 बजे तक चली । क़रीब दो दर्जन गायक और गायिकाओं ने समाँ बाँध दिया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी, जो विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक और वीर भारत न्यास के सचिव भी हैं । कार्यक्रम की अध्यक्षता की छत्तीसगढ़ के सुगम संगीत के बादशाह और उद्योगपति तथा फिल्म स्टार शत्रुघ्न सिन्हा के भाई और सहपाठी केके सहाय । विशेष अतिथि थे–प्रख्यात कवयित्री, कहानीकार और शिक्षाविद डॉ मंजु तिवारी एवं राष्टपति पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी तथा गायक प्रभाकर जुगादे । फिल्म स्टार शत्रुघ्न सिन्हा के भाई और सहपाठी केके सहाय ने केएल सहगल एवं मुकेश की यादें ताज़ा कर दीं । ख़ासकर– झूम झूम के नाचो आज । सभी गायक,गायिकाओं ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुति दी । विशेष आकर्षण थीं भोपाल में तेज़ी से उभर रही 14 वर्षीया ब्लेसी सोमानी, जिन्होंने अपनी मधुर आवाज में कुछ गीत सुनाकर दर्शकों का मन मोह लिया।ब्लेसी ने ये मोह मोह के धागे, नंदिनी सोमानी एवं नरेश मालवीय ने प्यार में होता है क्या जादू, ऋषिकेश थालनेरकर एवं सुनैना तिवारी ने गोरे रंग पे न इतना आदि गानों की शानदार प्रस्तुति दी । पंकज पाठक ने गाने के बजाय बच्चन जी की मधुर मधुशाला तरन्नुम में सुनाई। शिवांगी पवार, अजय खंगन, सजिश नायर, मधु सिंह, अतुल, नीरज कुरवानी, योगेश मलानी, नेहा, मदन विश्वकर्मा, प्रदीप हरतालकर, सुरेश तनवानी, मुकेश पालीवाल, रुपबसंत, गरिमा भट्ट, प्रज्ञा चौबे, पीएन स्वर्णकार, हरीश जांगड़, भूषण टाँडे आदि ने भी अपनी प्रस्तुति दी । अर्पिता सक्सेना ने गाया भी और मंच संचालन भी किया।

राज्य सरकार बहन-बेटियों को हर संभव सुरक्षा प्रदान करने के लिए संकल्पित, सीएम बोले-

लव जिहाद-ड्रग माफिया पर कसेंगे शिकंजा, अपराधी लगेंगे ठिकाने

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिलाओं पर कुदृष्टि डालने वाले, ड्रग माफिया और लव जिहादियों को किसी भी स्थिति में नहीं छोड़ा जाएगा। लव जिहाद हो या ड्रग माफिया, इनके माध्यम से जो भी आपराधिक गतिविधियां की जा रही हैं, उन पर सख्त कार्रवाई करते हुए शिकंजा कसा जा रहा है। राज्य सरकार किसी अपराधी को छोड़ने वाली नहीं है। सबको एक-एक कर ठिकाने लगाएंगे। सभी प्रकार के अपराधों पर अंकुश लगाते हुए बहन-बेटियों को हर संभव सुरक्षा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री यादव मंगलवार को नर्मदापुरम रोड स्थित आमिर मैजेस्टिक पार्क में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बहनों से राखियां भी बंधवाईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। रक्षाबंधन से पहले बहनों को लाड़ली बहना योजना की मासिक किश्त सहित 250 रुपए का शगुन अलग से भेजा गया है। बहनों के हाथ में यश होता है, लक्ष्मी पूजन भी उन्हीं के माध्यम से होता है। अब दीपावली के बाद भाई-दूज से प्रदेश भर की लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात मिलेगी। बहनों का स्नेह मेरे जीवन का सबसे बड़ा आधार है।

बहनों ने सीएम को बांधी राखी

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बहनों की ओर से बड़ी राखी भेंट की गई, इसके बाद अनेक लाड़ली बहनों ने उन्हें राखियां बांधीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी बहनों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि बहनों के साथ बैठने से माता और पिता दोनों का प्रेम एक साथ मिल जाता है, जीवन धन्य हो जाता है। परिवार में बहन-भाई का रिश्ता युगों-युगों से अटूट है। महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण और द्रोपदी का रिश्ता भाई-बहन के प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजधानी भोपाल के हुजूर विधानसभा क्षेत्र में 200 करोड़ की लागत से सीवर लाइन सहित अन्य विकास कार्य किए जाएंगे। स्थानीय विधायक एवं पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेटियों की सुरक्षा और लाड़ली बहनों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

बहनों को भाई दूज से मिलेंगे 1500 रुपए

राज्य सरकार बहनों को शीघ्र ही, दीपावली भाईदूज से लाड़ली बहन योजना में 1500 रूपये मासिक की राशि देना प्रारंभ करेगी।
शासकीय सेवाओं में मध्यप्रदेश सरकार बहनों को 35त्न आरक्षण दे रही है। यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने प्रजातांत्रिक व्यवस्था में लोकसभा विधानसभा सहित अन्य संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब हमारी बहनें विधायक, सांसद ही नहीं अन्य पदों पर भी निर्वाचित होंगी।
देवी अहिल्याबाई होल्कर, वीरांगना रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मीबाई, रानी कमलापति हमारे समाज में साहस शौर्य और सुशासन की प्रतीक हैं।

अब सिंघार ने मप्र में गड़बड़ियों का दावा किया

आखिरी वक्त में 16 लाख वोट बढ़े, गंवा दी 27 सीटें

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के मुद्दे पर चुनाव आयोग पर सवाल उठाने के बाद अब मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 2023 के विधानसभा चुनाव में करीब 16 लाख वोटों का हेरफेर किए जाने का आरोप लगा दिया है।

हालांकि इसका जवाब देने के लिये भाजपा की तरफ से मंत्री विश्वास सारंग मैदान में उतरे, उन्होंने कहा कि चाहे राहुल गांधी हों या उमंग सिंघार, कांग्रेस के नेता आंकड़ों और तथ्यों के बिना निराधार आरोपों से देश को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव के 20 महीने बाद कांग्रेस की कुंभकर्णी नींद क्यों टूट रही है। आजाद भारत में वोटों की पहली चोरी तो जवाहरलाल नेहरू ने खुद प्रधानमंत्री बनने के लिए की थी। यदि कांग्रेस को मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की आशंका थी, तो उसने समय सीमा के अंदर निर्वाचन आयोग से इसकी शिकायत क्यों नहीं की? कानून के अनुसार चुनाव परिणाम की घोषणा के 45 दिन के भीतर और चुनाव घोषित होने के बाद भी नामांकन की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले तक शिकायत या चुनौती दी जा सकती है, तब कांग्रेस कहां थी?

इससे पहले सिंघार ने कहा कि हमने मध्यप्रदेश के बारे में चीजें समझी कि किस तरह से वोट चोरी कर फर्जी जनादेश लेकर भाजपा ने सरकार बनाई। इसमें चुनाव आयोग ने किस तरह से भाजपा की सरकारें बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि मप्र में चुनावी साल 2023 में 34 लाख से ज्यादा नाम जोड़े गए। अंतिम दो माह में हर रोज 26 हजार वोट जोड़े। टोटल 16 लाख वोट जोड़े गए। 2018के चुनाव में भाजपाको कांग्रेस से एक फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। लेकिन 2023 में यह बढ़ कर नौ प्रतिशत तक हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में लगभग इतने ही वोट की चोरी हुई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा- चुनाव आयोग दावा पारदर्शिता का दावा करता है मगर सूची देने में ही गडबड है। उन्होंने सूची में गड़बड़ियों को उदाहरण समेत सामने रखा व कहा- 30 जून के बाद जो वोटर हटाए, बढ़ाए गए वो लिस्ट चुनाव आयोग ने नहीं दी। आयोग ने साफ लिखा था कि ये लिस्ट न तो वेबसाइट पर डाली जाए और न ही किसी को दी जाए।

27 सीटों पर यही हार की वजह

सिंघार ने कहा कि मप्र में 25-26 सीटों पर दो महीनों में 7 से 10 हजार तक वोटर बढ़े हैं। विधानसभा उम्मीदवारों को और न ही राजनीतिक दलों को ये लिस्ट दी गई। जहां हार-जीत का 5 हजार वोटों का अंतर रहा तो 11 हजार वोट बढ़े। इस कारण करीब 27 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार बहुत कम अंतर से चुनाव हार गए।

ई मानिटरिंग के लिये मप्र के आयुष महकमे को मिला स्कोच अवार्ड

भोपाल। मप्र के आयुष विभाग को स्कॉच अवार्ड के लिये चुना गया है। यह सम्मान आयुष विभाग के ई मॉनिटरिंग सिस्टम परियोजना के क्रियान्वयन और उसके जनता के बीच अच्छे रिजल्ट के लिए है। विभाग को यह अवार्ड तीन चरणों की डिटेल प्रेजेंटेशन और दो चरण के सार्वजनिक डिजिटल वोटिंग के बाद नई दिल्ली में 20 सितम्बर को सौंपा जाएगा।

आयुष विभाग के अपर सचिव संजय कुमार मिश्रा के मुताबिक आयुष ई मॉनिटरिंग सिस्टम का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के आयुष चिकित्सालयों में और चिकित्सा महाविद्यालयों में ओपीडी में अधिकतम वृद्धि करना तथा अधिक से अधिक लोगों को आयुष सुविधा के कवरेज में लाना है। लोगों को स्वस्थ और रोग मुक्त बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण आयुष सेवाएं उपलब्ध कराने को भी इसमें प्राथमिकता में रखा गया है। इसके लिए इस विभाग ने कई नवाचार किए हैं जिसके अंतर्गत हर माह दो बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर सभी आयुष चिकित्सा अधिकारियों और आयुष मेडिकल कॉलेज के साथ एक्सपीरियंस शेयर किए गए और समस्याओं का समाधान किया गया।मिश्रा ने कहा कि इसके साथ ही लगातार निगरानी और मूल्यांकन कर हर केंद्र के परफॉर्मेंस की समीक्षा की गई। सभी के अनुभव साझा करके नए सिस्टम लागू करने को बढ़ावा दिया गया।

आयुष अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिए अस्पतालों और कॉलेज में आधुनिक सुविधाओं का विकास किया गया। अपर सचिव मिश्रा ने बताया कि प्रयासों से ई मॉनिटरिंग सिस्टम के सभी घटकों का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ है जिससे प्रदेश भर में आयुष सेवाओं की पहुंच और उनकी गुणवत्ता में सुधार हुआ है।आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार तथा प्रमुख सचिव आयुष डीपी आहूजा ने विभाग को मिले स्कॉच अवार्ड 2025 के लिए बधाई दी है। मंत्री परमार ने कहा कि स्कॉच अवार्ड मिलना मध्य प्रदेश के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि टीम भावना, नवाचार और उत्कृष्ट कार्य का परिणाम है। जिससे नागरिकों को समय पर और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

संविदा व आउटसोर्सकर्मी इस दायरे से बाहर

कर्मचारियों की छुट्टी के अब नए नियम, अतिरिक्त काम लिया तो 10 दिन का अर्जित अवकाश भी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा सिविल सेवा अवकाश नियम 2025 को मंजूरी देने के बाद अब यह नियम स्थायी सरकारी कर्मचारियों पर लागू होंगे लेकिन संविदा और आउटसोर्स इसमें शामिल नहीं होंगे। खास बात यह है कि अब सिंगल फादर को भी चाइल्ड केयर लीव का हक मिलेगा। अगर वह बच्चा गोद लेते हैं तो उन्हें 15 दिन का पितृत्व अवकाश मिलेगा। सरोगेसी से मां बनने पर सरोगेट मां व कमीशनिंग मां दोनों को प्रसूति अवकाश। वहीं इस नियम के तहत शिक्षकों को अपने काम के अलावा 10 दिन का अवकाश दिया जाएगा। यह अवकाश अतिरिक्त ड्यूटी पर होगा। इसमें आधा वेतन अवकाश अब पहले ही खाते में जोड़ा जाएगा। हर साल 1 जनवरी, 1 जुलाई को 10-10 दिन की छुट्टी जमा होगी। कर्मचारियों की अर्जित अवकाश (ईएल) की अधिकतम सीमा 120 दिन से बढ़ाकर 180 दिन कर दी गई है। इसके अलावा दिव्यांग कर्मचारियों या गंभीर बीमारी की स्थिति में जरूरत पड़ने पर परिवार का सदस्य भी आवेदन कर सकेगा। सरकार ने तय किया है कि छुट्टी मंजूर करने का अधिकार डेलीगेट किया जा सकेगा। यानी उच्च अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारी को भी यह जिम्मा सौंप सकेंगे।

इसके अलावा प्रदेश के एसटी छात्रों को अब कॉलेज हॉस्टलों में पूरे 12 महीने छात्रवृत्ति मिलेगी। अभी 10 महीने के लिए दी जाती थी। यह राशि छात्रों की संख्या के आधार पर दी जाएगी। लड़कों को 1650 रुपए और लड़कियों को 1700 रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। सरकार का मानना है कि इस फैसले से छात्र पूरे साल हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर सकेंगे।

भोपाल में इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली फैक्ट्री

- कैबिनेट में भोपाल के लिए जो दो बड़े फैसले किए हैं वे रोजगार व निवेश की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। केंद्र सरकार की ईएमसी 2.0 स्कीम के तहत भोपाल के बैरसिया रोड स्थित बांदीखेड़ी गांव में 210 एकड़ जमीन पर इलेक्ट्रॉनिक्स
- मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बनेगा तो यहां इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े उद्योग लगाए जाएंगे। राज्य कैबिनेट ने इसके लिए बुनियादी ढांचे पर खर्च करने के लिए 371.95 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है।
- इसमें से 146.63 करोड़ रुपए केंद्र सरकार देगी और 225.32 करोड़ राज्य सरकार खर्च करेगी।

प्रदेश का पहला एंडोक्रइनोलाजी विभाग जीएमसी में

राजधानी? का गांधी मेडिकल कालेज में अब एंडोक्राइनोलॉजी विभाग की स्थापना को कैबिनेट से मंजूरी दी गई है। मप्र के किसी भी मेडिकल कॉलेज में शुरू होने वाला यह पहला विभाग है। हार्मोन से जुड़ी बीमारियों जैसे डायबिटीज, ओबेसिटी, थायरॉइड जैसी बीमारियों के बेहतर इलाज, डायग्नोस और रिसर्च की सुविधा बढ़ जाएंगी। डीएम-एंडोक्रायोनोलॉजी कोर्स के लिए मप्र के बाहर नहीं जाना होगा।

आहूजा की अंत्येष्टि में शामिल हुए खंडेलवाल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल व महामंत्री हितानंद ने बैतूल अंचल के वरिष्ठ नेता, लोकतंत्र सेनानी एवं पूर्व सांसद सुभाष आहूजा के निधन पर उनके निवास पहुंचकर अंतिम दर्शन कर पार्थिव शरीर को कंधा दिया एवं अंत्येष्टि में शामिल हुए। ज्ञात हो कि 1952 से लेकर 2024 तक 72 वर्ष के संसदीय सफर में 1977 के पहले तक बैतूल लोकसभा क्षेत्र से सुभाष आहूजा ही ऐसे पहले शख्स थे। जो आपातकाल के बाद लोकसभा चुनाव में पहले सांसद बने थे। 27 साल की उम्र में हुए लोकसभा के सबसे युवा सदस्य होने का तत्समय का भी रिकॉर्ड उनके नाम से ही है। युवा मोर्चा के वे राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे। पूर्व न्यास अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल ने कहा है कि उस वक्त जब लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई थी और चुनाव लड़ने के लिए बैठक बुलाई गई थी तब मात्र 9 लोगों की उपस्थिति में से 7 लोगों ने ÷मजबूरी÷ बताते चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। तब सुभाष भाई ने कहा यदि बलि का बकरा ही बनना है तो मैं तैयार हूं और सुभाष के साहस और जनसंघ के प्रति उनकी निष्ठा ने बैतूल से पहली बार जनता पार्टी का विजयी झंडा लहराया।

मेट्रो एंकर | जर्मन प्रतिनिधिमंडल का नवाचार और निवेश सहयोग की दिशा में बड़ा कदम

मप्र में विदेशी निवेश के लिए नए रास्ते खुले

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में विदेशी निवेश और नवाचार को प्रोत्साहन देने के प्रयासों को नया आयाम मिला है। गुजरात इंडस्ट्रियल इंवेस्टमेंट कार्पोरेशन के नेतृत्व एवं एमपीआईडीसी और आईएम ग्लोबल के सहयोग से जर्मनी की पाँच अग्रणी टेक कंपनियों का प्रतिनिधिमंडल मध्यप्रदेश ग्लोबल स्टार्टअप एक्सचेंज प्रोग्राम-2025 में शामिल हुआ। प्रतिनिधि मंडल 18 से 22 अगस्त तक इंदौर और भोपाल के दौरे पर रहेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने को इनोवेशन लैब्स का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने एआई, डेटा एनालिटिक्स, आईओटी एवं एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर

परियोजनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। शुरुआत डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप से हुई, जिसमें नवाचार एवं समस्या समाधान पर गहन चर्चा हुई। जिसमें मध्यप्रदेश एवं वैश्विक उद्यमों ने अपने अभिनव उत्पादों और तकनीकी समाधानों का प्रदर्शन किया तथा अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। Collaborating on Product Innovation पर इंटरैक्टिव राउंडटेबल और द्विपक्षीय बैठकें एमपीआईडीसी में हुईं।

मप्र-जर्मनी के बीच नई शुरुआत

कार्यकारी निदेशक आईएएस हिमांशु प्रजापति एमपीआईडीसी इंदौर ने राउंडटेबल सत्र का नेतृत्व करते हुए कहा कि सरकार अंतरराष्ट्रीय साझेदारी, तकनीकी सहयोग एवं एंटरप्राइज विकास में सक्रिय और प्रेरक भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि आज का दिन मध्यप्रदेश और जर्मनी के प्रमुख AI एवं IoT इनोवेटर्स के बीच साझेदारी की नई शुरुआत का प्रतीक है। प्रजापति ने कहा कि समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह स्पष्ट है कि भारत में डेटा का डिजिटलीकरण अभी आरंभिक अवस्था में है।

संपादकीय

इरादों को कुचलने की जरूरत

पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने जिस तरह खुलेआम परमाणु युद्ध की धमकी दी है, उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इससे भारत की यह चिंता पुष्ट होती है कि पाकिस्तान के पास एटॉमिक पावर होना पूरी दुनिया के लिए खतरा है। उस पर निगरानी बढ़ाए जाने की जरूरत है। मुनीर ने हाल में फिर अमेरिका का दौरा किया है। कुछ ही दिन पहले भी वे अमेरिका गए थे और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंच भी कर चुके हैं। उनका इन यात्राओं से दंभ बढता जा रहा है। पहली बार किसी ने अमेरिकी धरती से किसी तीसरे देश के लिए इस तरह धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह भी पहली बार है, जब किसी सेना प्रमुख ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह परमाणु हथियार भी इस्तेमाल कर सकता है। मुनीर की बातें जितनी गैरजिम्मेदार हैं, उतनी ही चिंता बढ़ाने वाली भी हैं।पाकिस्तान के सिस्टम में सेना क्या भूमिका रखती है, यह सभी को मालूम है। भले वहां चुनी हुई सरकार हो, लेकिन फैसले सेना प्रमुख के होते हैं। ऐसे में मुनीर के बयान को पाकिस्तान की पॉलिसी की तरह देखा जाना चाहिए। भारत ने 'नो फर्स्ट यूज' की नीति अपना रखी है यानी वह परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। साथ ही किसी गैर परमाणु शक्ति देश के खिलाफ भी एटमी पावर नहीं दिखाई जाएगी। लेकिन, पाकिस्तान ऐसी किसी नीति से नहीं बंधा और यही फिक्र की बात है। मुनीर का अंदाज कि 'हम अपने साथ आधी दुनिया को ले डूबेंगे'। यह पाकिस्तान के बेहद गैरवाजिब व बाकी दुनिया के लिये असुरक्षा पैदा करने वाला रवैया है।। मुनीर का बयान उकसाने वाला और शांति की कोशिशों के खिलाफ भी है। यह विडंबना है कि उन्होंने इन बातों के लिए उस जगह को चुना, जिसके राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप आधा दर्जन युद्ध रुकवाने का दावा कर रहे हैं और जिनके लिए शांति का नोबेल मांगने वालों में पाकिस्तान भी है। यह आम बात नहीं हो सकती कि मुनीर दो महीने के भीतर दूसरी बार अमेरिका की यात्रा करें और इतनी तवज्जो भी हासिल कर लें। दरअसल दो महीनों के दौरान दो देशों के रिश्तों में काफी बदलाव आया है। ट्रंप को अब इस्लामाबाद के रूप में एक प्रमुख क्षेत्रीय सहयोगी दिख रहा है। मगर मुनीर के बयान का भारतीय विदेश मंत्रालय ने बिल्कुल सही जवाब दिया है कि जिस देश में सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हो, वहां परमाणु कमांड और कंट्रोल की विश्वसनीयता पर संदेह होना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत किसी न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी सरकार का यही रुख था। लेकिन मुनीर ने जिस तरह का बयान दिया है वह पाकिस्तान को पूरी विश्व बिरादरी के सामने भी गलत बनाता है। अब खुद अमेरिका समेत बाकी देशों को चाहिये कि वह मुनीर के इस बयान की कडी भर्त्सना करे। वहीं भारत के लिये भी यह मौका है कि पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने और उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए कहे। आपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों पिटने के बाद बौखलाया हुआ पाकिस्तान जिस तरह से बातें कर रहा है वह उसकी वैचारिक,कूटनीतिक व आर्थिक-सामरिक दयनीयता को दर्शाता है। वैसे भी, अगले महीने भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा प्रस्तावित है, माना जाना चाहिये कि अमेरिका की गोद में बैठने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान व उसके बड़बोले आर्मी चीफ को भारत अपनी सधी हुई कूटनीति से जल्द करारा जवाब देगा।

जहां प्रयोजन समाप्त होता है, वहाँ सौंदर्य शुरू होता है।

– अमृतलाल बेगड़

कविता

कहर है बरपाया !

– कृष्णोन्द्र राय

बारिश और बाढ़ ने ।
कहर है बरपाया ।।
जनजीवन अस्त-व्यस्त ।
प्रकृति की है माया ।।
चल रहा है हालचाल ।
संकट में हैं लोग ।।
मिला जो समय ।
हो सही उपयोग ।।
जान-माल की रक्षा ।
त्वरित हो उपाय ।।
जूझ रहे हैं अपने ।
हो कर के असहाय ।।
इस मुश्किल की घड़ी में ।
हैं हम उनके साथ ।।
मदद को आगे ।
बढ़ें जल्द हाथ ।।

आज का इतिहास

- 1828 - राजा राम मोहन राय के ब्रह्म समाज के पहले सत्र का आयोजन कलकत्ता (अब कोलकाता) में संपन्न हुआ।
- 1897 - रोनाल्ड रॉस ने कलकत्ता(अब कोलकाता) के प्रेसिडेंसी जनरल हॉस्पिटल में काम करने के दौरान मलेरिया के कारक एनोफिलीज मच्छर की पहचान की।
- 1921 - केरल के मालाबार क्षेत्र में मोपला विद्रोह की शुरुआत हुई।
- 1949 - यूरोपीय देश हंगरी में संविधान को अंगीकार किया गया।
- 1955 - मोरक्को और अल्जीरिया में फ्रांस-विरोधी दंगों में सैकडों लोग मारे गए।
- 1972 - तत्कालीन सोवियत रुस ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- 1979 - तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के 23 दिनों के अंदर ही इस्तीफा दिया।
- प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
- 1988 - पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल जिया उल हक का हवाई दुर्घटना में निधन एवं सीनेट के सभापति ग़ुलाम इशहाक ख़ान राष्ट्रपति बने।
- भारत और नेपाल में 6.5 की तीव्रता वाले भूकंप से एक हजार लोगों की मौत हुई।
- 1994 - सं.रा. अमेरिका द्वारा क्यूबा के शरणार्थियों को आश्रय देने की 28 वर्ष की पुरानी नीति को समाप्त करने की घोषणा।
- 2001 - स्पेन में भारतीय चैम्पियन विश्वनाथन आनन्द ने स्पेन के अलेक्सेई शिरोव को शिकस्त देकर विलारोडेज शतरंज चैम्पियनशिप का खिताब जीता।

पर्यावरण भी प्राथमिकता हो इस डिजिटल युग में

■ सुरेश सेठ

शिक्षा वह माध्यम है, जिसके सहारे हम तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिला सकते हैं। आज की दुनिया में कृत्रिम मेधा का बोलबाला है। रोबोट मनुष्य का स्थान लेने लगे हैं, क्योंकि संपन्न निवेशकों को लागत प्रबंधन में यही उपयुक्त लगता है। ऐसे में शिक्षा को यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सही दिशा में पहुंचे, न कि डीपफेक और साइबर अपराध जैसे खतरनाक गलियारों में खो जाए। यदि सर्वेक्षण बताते हैं कि बच्चों को दस तक का पहाड़ा या प्रतिशत निकालना भी नहीं आता, तो सवाल उठता है–वे इस बदलती दुनिया के ज्ञान से कैसे कदम मिला पाएंगे? सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में स्पष्ट किया है कि भारत में शिक्षा क्रांति का अर्थ केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं है। शिक्षा संस्थानों का निर्माण करते समय पर्यावरणीय प्रभावों का संज्ञान लेना आवश्यक है। 29 जनवरी, 2025 को केंद्र सरकार की एक अधिसूचना कोर्ट के विचाराधीन हुई, जिसमें औद्योगिक शेड, स्कूल, कॉलेज और छात्रावास जैसी परियोजनाओं को पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के तहत पूर्व पर्यावरण मंजूरी से छूट प्रदान की गई थी। अधिसूचना में यह स्वीकार किया गया कि 20,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में निर्माण कार्य पर्यावरण को प्रभावित करेगा, लेकिन यह भी कहा गया कि इन संस्थानों का राष्ट्रीय विकास में इतना महत्व है कि इन्हें पूर्व मंजूरी से मुक्त किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है। जब यह संतुलन बिगड़ता है, तो घुटन, हरित क्षेत्र की कमी, खेल के मैदानों का लोप और शिक्षा के नाम पर व्यापार का विस्तार देखने को मिलता है।

बीते वर्षों में अनेक राजनीतिक दलों ने शिक्षा क्रांति के विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए हैं। यह कहा जाता है कि शिक्षा केवल निजी पब्लिक स्कूलों की बंधक नहीं होनी चाहिए। नीति यह होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों को इतना सक्षम बनाया जाए कि माता-पिता को अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने की कोई जल्दबाज़ी न रहे। लेकिन इस लक्ष्य के बावजूद, सरकारी स्कूल अब भी उस स्तर को नहीं छू पा रहे हैं, जिसकी कल्पना करके हमने निजी स्कूलों के वर्चस्व को चुनौती देने की कोशिश की थी। सवाल यह है कि इतने प्रयासों के बावजूद, शिक्षा क्षेत्र में बड़े निवेशक क्यों प्रवेश कर रहे हैं? क्या शिक्षा अब सेवा नहीं, एक लाभकारी व्यवसाय बन गई है? अब तो स्कूलों के बीच नए स्कूल खोलने की परंपरा-सी बन गई है। पहले जहां खेल मैदान हुआ करते थे, वहां अब नर्सरी और प्री-नर्सरी की कक्षाएं बन रही हैं।कहा जाता है कि निजी पब्लिक स्कूल एक लाभकारी सौदा बन चुके हैं। हर वर्ष इन स्कूलों की फीस और अन्य शुल्क बढ़ते जाते हैं। अब प्राइमरी कक्षाओं के साथ-साथ नर्सरी और प्री-नर्सरी भी 'खुलने' लगी हैं– जिनका मकसद शिक्षा कम, व्यापार अधिक लगता है।

संभावना है कि भविष्य में पुरानी शिक्षा प्रणाली अप्रासंगिक हो जाएगी और एक नई 'डिजिटल शिक्षा' उभरेगी–जो डेटा, एल्गोरिद्म और इंटरनेट के इर्द-गिर्द घूमेगी। ऐसे में स्कूलों में हरियाली, खेल मैदान और खुलापन खत्म न हो जाए, यह चिंता का विषय है। अब हम ऐसे प्राइमरी स्कूलों की संभावनाएं देख रहे हैं, जहां बच्चों को आरंभ से ही डिजिटल और कृत्रिम मेधा की शिक्षा दी जाएगी। लेकिन इस दौड़ में कहीं पर्यावरण बलि का बकरा न बन जाए। कहीं स्कूलों की हरियाली समाप्त न हो जाए। कहीं खेल मैदान बहुमंजिला इमारतों की भेंट न चढ़ जाएं। कोर्ट ने कहा कि सरकार का यह मानना कि केवल कुछ दिशा-निर्देशों का पालन कर लेने से पर्यावरण सुरक्षा हो जाएगी, पर्याप्त नहीं है। योजनाएं जब विस्तार लेती हैं तो व्यावसायिक हित हावी हो जाते हैं, और विशेषज्ञों की राय की अनदेखी शुरू हो जाती है% पीठ ने माना कि स्कूल, छात्रावास व अन्य शैक्षणिक संस्थान पर्यावरणीय कानूनों के अधीन रहें और उन्हें पूर्व मंजूरी की अनिवार्यता से मुक्त न किया जाए। अधिसूचना में जो छूट दी गई थी, वह दोहरी मंजूरी प्रणाली में से पर्यावरणीय मंजूरी को हटा देती है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह संशोधन संरक्षित क्षेत्रों और प्रदूषित इलाकों में पर्यावरण मूल्यांकन की प्रक्रिया को कमजोर करता है। इस छूट के पीछे कोई मजबूत तर्क नहीं है, केवल यह संभावना है कि यह निजी शिक्षा क्षेत्र में व्यावसायिक निवेश को बढ़ावा देने का एक औजार बन जाए।कोर्ट का संदेश साफ है–शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण में। भावी पीढ़ी प्रदूषण और अंधाधुंध निर्माण की शिकार न बने, यही सुप्रीम कोर्ट और हर सजग नागरिक की अपेक्षा है।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

नाटक तो है! पर क्या, कब, कैसे, क्यों और किसके द्वारा?

■ राजीव खंडेलवाल

जिस प्रकार 'मंदिर-मस्जिद' में जाकर व्यक्ति सच्चे मन से प्रार्थना करता है और 'सत्य वचन' बोलता है, उसी प्रकार वातावरण के प्रभाव के चलते 'न्याय मंदिर' यानी अदालत में भी यह माना जाता है कि गवाह, वकील और पक्षकार – सभी सत्य कथन ही करते हैं। परंतु 'सर' मामले की सुनवाई के दौरान, जब 'सैफोलॉजिस्ट व एक्टिविस्ट' योगेंद्र यादव ने मतदाता सूची में मृत दर्शाये गए दो मतदाताओं को माननीय न्यायाधीशों के समक्ष पेश किया, तब चुनाव आयोग के वकील ने कहा – 'यह क्या नाटक है?' वास्तव में, यह 'नाटक' तो है, जो 'कर्नाटक' तक सीमित नहीं – लेकिन बड़ा सवाल यह है, किसने किया और कब?

सुप्रीम कोर्ट ने 'सर' मामले में अंतरिम आदेश देते हुए कहा कि लगभग 65 लाख 64 हजार मतदाताओं को, जिन्हें प्रारंभिक सूची से बाहर कर दिया गया है, के 'आधार कार्ड' पहचान पत्र के रूप में तभी स्वीकार किए जाएंगे, जब उनके पास पूर्व में आयोग द्वारा निर्धारित 11 पहचान पत्रों में से कोई भी न हो। यानी, 'आधार' को 12 वें पहचान पत्र के रूप में 'समग्र रूप' से नहीं जोड़ा गया है, बल्कि सबसे आखिर में रख कर 11 पहचान पत्रों को वरीयता दी गई है। यह निर्णय अपूर्ण है। 'संक्षिप्त पुनरीक्षण' (SR) में 7 दस्तावेजों की तुलना में 11 पहचान पत्रों का प्रावधान को न्यायालय द्वारा 'मतदाता अनुकूल' बतलाना अर्ध सत्य है क्योंकि 11 पहचान पत्रों का कुल 'कवरेज' मात्र लगभग 20 से 30% है, जबकि मात्र आधार का ही 94% है। चूंकि एक 'नागरिक' ही मतदाता हो सकता है और 11 पहचान पत्रों में से सिर्फ 'पासपोर्ट' ही नागरिकता का निर्णायक प्रमाण है, शेष 10 की 'गुणवत्ता' कमोबेश 'आधार' के बराबर ही है। परंतु आधार की 'व्यापकता' शेष समस्त पहचान पत्रों में से सबसे ज्यादा होने के बावजूद उसे बराबरी का दर्जा भी नहीं मिला। क्या यह भी मतदाताओं के साथ एक नाटक नहीं?

हम स्वयं के द्वारा बनाए गए कानून को ही नहीं मानेंगे? क्या ऐसा भी हो सकता है? हां ! चुनाव आयोग स्वयं के द्वारा बनाए गए 'मतदाता पहचान पत्र' को चिन्हित 11 पहचान पत्रों में शामिल नहीं करता है। सुप्रीम कोर्ट 'आधार' के साथ 'मतदाता पहचान पत्र' को भी शर्तों के साथ मान्यता देता है। गलत, झूठे, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड बनाए जा सकते हैं, चुनाव आयोग का यह तर्क क्या चिन्हित 11 पहचान पत्रों पर लागू नहीं होता है? 'बंदा अपनी ही औलाद को न पहचाने' तब क्या यह भी एक गजब नाटक चुनाव आयोग का नहीं है? सूचना के अधिकार' के कानून वाले लोकतांत्रिक देश में 65 लाख 64 हजार कटे हुए मतदाताओं की सूची 'निजता' के नाम पर न देना, 'डिजिटल युग' में डिजिटल वोटर मशीन रीडेबल की बजाय डिजिटल मशीन सर्च मतदाता सूची का होना - यानी 'खग ही जाने खग की भाषा' ! ! क्या यह आयोग का नाटक नहीं? यद्यपि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के इस नाटक को 'ध्वस्त' कर सूची प्रकाशित करने का आदेश दिया। सही है, 'रेत में सिर गड़ा लेने से जान नहीं बचती है।'

मुख्य चुनाव आयुक्त का उक्त कथन भी एक 'नाटक' ही सिद्ध हुआ। पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद अनुराग ठाकुर ने भी राहुल गांधी के 'वोटो की चोरी' के आरोप के जवाब में पत्रकार वार्ता कर रायबरेली, वायनाड सहित 6 लोकसभा क्षेत्रों में राहुल गांधी के समान ही फर्जी मतदाता व मतदाता सूची में हेर-फेर कर 'वोटो की चोरी' के आरोप कांग्रेस सहित विपक्षी पार्टीयों पर लगाकर अनजाने में ही सही, अपने ही चुनाव आयोग को 'कटघरे में खड़ा' कर राहुल गांधी के आरोप को 'बल' दे दिया। कांग्रेस ने इसे 'हाथों-हाथ' ले लिया। अनुराग ठाकुर के उक्त आरोप राजनीतिक दृष्टि से 'अपने पैरों पर कुल्हाड़ी' मारने की नहीं बल्कि 'कुल्हाड़ी पर ही पैर दे मारने' के समान सिद्ध हो रहे हैं। तथापि चुनाव आयोग ने अनुराग ठाकुर के आरोप पर राहुल गांधी को लिखें पत्र जैसा लिखने की जहमत नहीं उठाई। क्यों?। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पत्रकार वार्ता में अनुराग ठाकुर से वैसी माफी मांगने की बात बिल्कुल नहीं कही, जैसी बिना नाम लिए राहुल गांधी को कड़े शब्दों में उन्होंने कही। क्या यह निष्पक्ष और समकक्ष न होकर 'चूज़ एंड पिक' नीति का संकेत तो नहीं: 'निष्पक्षता का सिर्फ़ कथन नहीं ! निष्पक्ष बनिए' मध्य प्रदेश कैडर के प्रतिष्ठित पूर्व चुनाव आयुक्त ओ.पी. रावत ने भी कहा है कि आयोग को 'शपथ पत्र' मांगने के बजाय खुद को पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, आम मतदाताओं (जिनके हितों की रक्षार्थ के लिए निर्वाचन आयोग बना है) के मन का संदेह दूर कर विश्वास बनाए रखने के लिए आरोपों का सिलसिलेवार जवाब देना चाहिए था, जैसा पहले चुनाव आयोग ऐसी परिस्थितियों में करता रहा है, 'कांटे से कांटा निकालने' की कहावत हर जगह चरितार्थ नहीं होती है।

स्पष्ट है, यह नाटकों की श्रृंखला है, जिसमें कभी अदालत, कभी आयोग और कभी 'नेता' 'अभिनेता' बन 'कलाकारी' कर जाते हैं। हृदय प्रदेश 'अजब गजब मध्य प्रदेश' का तमगा लिए समान देश के 'नाटकीय' स्वरूप को 'नारकीय' होने से बचाने के लिए चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं का पारदर्शिता, समान व्यवहार और नियमों के पालन के साथ कार्य करना अति आवश्यक है।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम सहित 23 जिलों में आज से 25 तक खूब बरसेगा पानी

मानसून टर्फ, डिप्रेशन, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम हुआ सक्रिय

भोपाल, एजेंसी।

प्रदेश में इस समय मानसून पूरी तरह सक्रिय है और इसका असर प्रदेश के लगभग हर हिस्से में देखा जा रहा है। मौसम विभाग ने बुधवार को जबलपुर और रतलाम समेत कुल 23 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। । अनुमान है कि आने वाले चार से पांच दिनों तक प्रदेश का मौसम इसी तरह बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार इस समय प्रदेश में मानसून टर्फ, डिप्रेशन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम सक्रिय है। यही कारण है कि कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। विशेषज्ञों ने बताया कि प्रदेश के निचले हिस्से से होकर एक ट्रफ लाइन गुजर रही है। इसके अलावा, उत्तर-पूर्व अरब सागर में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इन दोनों मौसमीय परिस्थितियों के चलते दक्षिण और पश्चिमी जिलों में तेज बारिश का दौर जारी है। इसी वजह से मौसम विभाग ने बुधवार के लिए नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, जबलपुर, सिवनी, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। यह चेतावनी 25 अगस्त तक जारी रहने की संभावना है।

पश्चिमी हिस्से में भारी बारिश

मौसम विभाग का कहना है कि अगले पांच दिनों तक पश्चिमी मध्य प्रदेश के कई जिलों में अति भारी बारिश की स्थिति बन सकती है। पिछले 24 घंटों से लगातार हो रही बारिश ने कई स्थानों पर बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बैतूल जिले के भीमपुर में सबसे अधिक 175 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं छिंदवाड़ा के सौसर में 132.5 मिमी पानी गिरा। इसके अलावा कुरई, पांढुर्णा और पुनासा में भी अच्छी खासी बारिश दर्ज की गई। प्रदेश के अन्य जिलों में भी बारिश का असर देखा गया। ग्वालियर, उज्जैन, खरगोन, सिवनी, मंडला, दमोह, बैतूल और गुना जैसे जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई।

बिजली गिरने का खतरा... आंधी और बिजली व बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के वैज्ञानिक देवेश सिंह ने चेतावनी दी है कि उज्जैन-महाकालेश्वर, रतलाम-धोलावाड़, झाबुआ, धार-मांडू, इंदौर, बड़वानी-बावनगजा, सागर और दमोह में आंधी और बिजली के साथ भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा अलीराजपुर, आगर, शाजापुर, नरसिंहपुर, खरगोन-महेश्वर, खंडवा-ओंकारेश्वर, देवास, हरदा, बुरहानपुर, रायसेन-सांची-भीमबेटका में मध्यम गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। बालाघाट, पांढुर्णा-पेंच, सिवनी, सीहोर, भोपाल-बैरागढ़, जबलपुर-भेड़ाघाट, मंडला-कान्हा, राजगढ़, डिंडौरी, मंदसौर-गांधीसागर अभयारण्य, नर्मदापुरम-पचमढ़ी, बैतूल, छिंदवाड़ा, अनूपपुर-अमरकंटक, सिंगरौली, सीधी, शहडोल-बाणसागर बांध और उमरिया-बांधवगढ़ में भी हल्की बारिश के साथ बिजली गिरने का खतरा जताया गया है।

शहर के वकीलों ने स्थायी लोक अदालत में दायर की है याचिका

फीस और किताबों पर नहीं रुक रही स्कूलों की मनमानी, सरकारी टीम ने अब शुरू की जांच

शशिकांत टिमोले। सागर

जिले में संचालित हो रहे निजी स्कूलों में यूनिफॉर्म ,फीस और पुस्तकों को लेकर चल रही मनमानी के मामले में कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर शिक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के संयुक्त दल ने जांच शुरु कर दी है। गौरतलब है कि उक्त मनमानी को लेकर शहर के कई वकीलों ने स्थाई लोक अदालत में याचिका दायर की है। इसकी खबर दोपहर मेट्रो ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी।

जांच में मुख्य रूप से निजी विद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों से लिए जाने वाले शुल्क, यूनिफार्म एवं विद्यालय में चलने वाली पुस्तकों की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द जैन ने बताया कि जिले के समस्त राजस्व अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा निजी विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण में निजी विद्यालय फीस एवं संबंधित विषयांश विनिमय अधिनियम 2017, अधिनियम 2018 एवं अधिनियम 2020 के तहत फीस वृद्धि, एनसीईआरटी की पुस्तकें एवं यूनिफॉर्म क्रय करने के संबंध में जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को सागर शहर की एसडीएम अदिति यादव, एपीसी अभय श्रीवास्तव, बीआरसी अनिरुद्ध डिमा एवं बीएसी राघवेन्द्र सिंह के संयुक्त दल ने सेण्ट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल, ब्लू बेल्स विद्यालय एवं वात्सल्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने निर्देश: अनियमित्ताएं पाए जाने पर करें कार्रवाई

निरीक्षण में ऑनलाइन फीस की एंट्री, ऑफ लाइन फीस एंट्री, एनसीईआरटी की पुस्तकों की उपलब्धता एवं शैक्षणिक अध्ययन के संबंध में विस्तार से जानकारी ली गई। साथ ही कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से फीस, गणवेश पुस्तकों के संबंध में पूछा गया । कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी निजी विद्यालयों में अनियमित्ताएं पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाए। इसी तरह सभी शासकीय स्कूलों का भी निरीक्षण लगातार किया जाए एवं अनुपस्थित शिक्षकों के मामले में एवं अन्य अनियमित्ताएं होने पर कार्यवाही की जाए।

सरकारी स्कूलों के हालात भी ठीक नहीं

जिले के सरकारी स्कूलों के हालात भी ज्यादा अच्छे नहीं हैं। इन स्कूलों में शिक्षकों की गैरहाजरी के मामले जब तब सामने आते रहें हैं। अधिकारियों के निरीक्षण में स्कूल से गायब मिले शिक्षकों पर कार्रवाई हो रही है। बावजूद इसके शिक्षकों की कार्यप्रणाली में कोई बदलाव दिख नहीं रहा। वरना क्या वजह है कि कलेक्टर को जिला शिक्षा अधिकारी को सरकारी शालाओं का सतत निरीक्षण करने के निर्देश देने पड़ रहे हैं।

सजीव झांकियों के साथ निकली भगवान लवकुश की शोभायात्रा

सिरोंज। कुशवाह महासभा द्वारा शहर में भगवान लवकुश की शोभायात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, म.प्र. कुश कल्याणबोर्ड अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाह भी शामिल हुए। बामोरा रोड स्थित चंद्रमोहन सभागार में सप्ताह भर पूर्व से की जा रही तैयारियों के बाद शोभायात्रा की शुरुआत हनुमान मंदिर छतरी नाका से हुई। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गो कस्टम, कठाली बाजार, सर्राफा बाजार, चांदनी चौक, छोटा बाजार, कोर्ट गेट पुराना बस स्टैंड नगर पालिका होते हुए गल्ला मंडी स्थित माता मंदिर पहुंची। जहां कुशवाह ने शोभायात्रा को सम्बोधित किया। शहर में स्वयं सेवी संस्थाओं राजनीतिक, सामाजिक संगठन आदि द्वारा शोभायात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में महर्षि वाल्मिक की कुटिया सजाई गई थी। जिसमे सजीव गुरु वाल्मिक को विराजित किया गया था। कुटिया के समक्ष सजीव बाल स्वरूप लवकुश श्री राम आराधना नृत्य करते दिखाए गए थे। युवा डीजे की धुन पर थिरकते जा रहे थे। चलित अखाड़े में युवा करतब दिखा रहे थे। शोभायात्रा में मनोज कुशवाह जिला अध्यक्ष विदिशा, रामदयाल कुशवाह अध्यक्ष बासौदा, ओम प्रकाश कुशवाह अध्यक्ष विदिशा, प्रहलाद कुशवाह अध्यक्ष लटेरी, लाल सिंह कुशवाह अध्यक्ष लटेरी, लेखराज सिंह कुशवाह अध्यक्ष मकसूदनगढ़ एवं डॉ प्रकाश कुशवाह बलरामपुर शामिल रहे।

सफाई कर्मचारी हड़ताल पर, रेलवे स्टेशन पर गंदगी का ढेर

गंजबासौदा। स्थानीय रेलवे स्टेशन की सफाई न होने के कारण यात्रियों का स्टेशन पर ठहरना मुश्किल हो रहा है। जानकारी के अनुसार सफाई न होने का कारण कर्मचारियों को वेतन न मिलना बताया जा रहा है। रेलवे स्टेशन की पिछले तीन दिन से सफाई न होने के कारण जगह जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं, गंदगी फैली हुई है जिससे दुर्गन्ध के कारण यात्रियों को प्लेटफार्म पर ठहरना मुश्किल हो रहा है। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा ऐसे लगता है जैसे कोई गौशाला हो। प्लेटफार्म पर जगह जगह गोबर पड़ा होने से कई बार यात्री जल्दी ट्रेन पकड़ने के चक्कर में फिसल कर गिर चुके हैं ।

कान्हा के विविध रूपों में सजे नौनिहाल, बधाई गीतों से गूंजा

गंजबासौदा। स्थानीय सैण्ट एसआरएस पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर कान्हा का दरबार सजाया गया। कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा पांच तक के नौनिहाल बाल स्वरूप कन्हैया के विविध रूपों में शोभायमान हुए। छोटे-छोटे बच्चों ने कान्हा के संवादों से माहौल को कृष्णमय बना दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इसरो वैज्ञानिक धर्वेन्द्र यादव ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज के युग में लोग भारतीय संस्कृति से कम जुड़ पा रहे हैं। अधिकांश शिक्षण संस्थानों ने भारतीय संस्कृति के स्थान पर पाश्चात्य दर्शन की ओर देखना शुरु कर दिया है। सेंट एसआरएस स्कूल द्वारा गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के आदर्शों को समाज में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर केएस यादव, मैनेजिंग डायरेक्टर सुधा यादव, काउंसर संघमित्रा यादव, प्राचार्य उमेश चंद्र यादव, कोर्डिनेटर प्रियंका अग्रवाल,उप प्राचार्य रजनी गुप्ता, प्रायमरी प्रभारी सुमन श्रीवास्तव, प्रीति माथुर एमएम सहित अन्य शिक्षकों ने विचार रखे। कार्यक्रम में नन्हें-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण, नंदबाबा, बलराम और यशोदा मैया के रूप में मंच पर प्रकट हुए। वहीं कृष्ण जन्मोत्सव का उत्सव मनाते हुए भगवान कृष्ण से संबंधित अनेक रंगारंग कार्यक्रम रासलीला आदि प्रस्तुत की गईं।

बस में से हुई 10 लाख के जेवरों की चोरी का अभी तक सुराग नहीं लगा पाई पुलिस

बस की सीट के नीचे रखा था बैग, कार्रवाई की मांग

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

दस दिन पहले हुई 10 लाख से अधिक के गहने चोरी की वारदात के मामले में पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट नामदेव समाज के सदस्यों ने एसडीओपी को आवेदन सौंपा। अशोक नगर में रहने वाले महेश कुमार नामदेव ने बताया कि 8 अगस्त को वे अपनी बहू वंदना नामदेव के साथ अशोक नगर से सिरोंज की ओर आने वाली चंद्रिका बस में बैठे थे। बैग सीट के नीचे रखा था। सुबह 11 बजे ये बस अशोक नगर से रवाना हुई थी और दोपहर में सिरोंज आ गई थी।

यहां नयापुरा में स्थित बहू के मायके में जाकर रूके। अगले दिन सुबह जब बहू ने अपना बैग खोल कर देखा तो उसकी चेन कटी हुई थी और उसमें रखे सोने के जेवरों का डब्बा गायब था। डब्बे में सोने का रानी हार, 4 सोने की चूड़ी, चैन, 5 अंगूठी, बंदी, 2 नथ, झुमकी, 2 जोड़ कान के टाप्स, कान की बाली, चांदी की पायल, करधोनी आदि शामिल है। जेवर चोरी की वारदात को लेकर हम सभी पहले अशोक नगर थाने गए लेकिन वहां सुनवाई नहीं होने पर सिरोंज थाने में आकर शिकायत की। उन्होंने बताया कि मामले में प्रकरण दर्ज हुए 10 दिन हो गए हैं लेकिन अभी तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। 10 लाख से ज्यादा कीमत के जेवर चोरी होने के कारण पूरे परिवार को मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। आवेदन देने आए नामदेव समाज के सदस्यों ने मामले में शीघ्र कार्रवाई कर चोरों को पकड़ने की मांग की है। एसडीओपी सोनू डाबर ने जांच और तेज करने का आश्वासन नामदेव समाज के सदस्यों को दिया है।

खंडवा में सोते समय पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर की हत्या

खंडवा। दोपहर मेट्रो

आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जिले में एक दिलदहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक शख्स ने अपनी पत्नी की रात में गहरी नींद में सोते वक्त कुल्हाड़ी से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी। पत्नी का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने पति के साथ रात में सोने से मना किया था इसी बात से पति नाराज हो गया और उसकी हत्या कर दी। पत्नी की हत्या करने के बाद पति उसकी लाश के पास ही बैठा था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पंधाना थाना इलाके के कुदाल्दा गांव की है। जहां रहने वाली मालती नाम की महिला की उसके ही पति धर्मेन्द्र ने बेरहमी हत्या कर दी। बताया गया है कि मालती रक्षाबंधन का त्यौहार मनाने के लिए मायके गई थी। उसके जेठ ताराचंद की दो दिन पहले मौत हो गई थी जिसके कारण वो वापस ससुराल लौट आई थी और घर में शोक का माहौल था और मेहमानों की भीड़ भी थी। इसी बीच बीती रात पति धर्मेन्द्र ने पत्नी मालती से साथ सोने के लिए कहा लेकिन लोगों की भीड़ होने के कारण उसने पति के साथ सोने से मना कर दिया था और घर में ही दूसरी जगह सो रही थी।

बीवी के साथ सोने से इंकार करने पर आरोपी पति धर्मेन्द्र इस कदर गुस्साया की उसने गहरी नींद में सो रही पत्नी पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ दो वार कर उसकी हत्या कर दी। चीख पुकार सुन घर में मौजूद लोगों की नींद खुली तो देखा कि मालती खून से लथपथ हालत में पड़ी थी और पास ही धर्मेन्द्र बैठा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति धर्मेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया।

जनता पार्टी (भाजपा) का बैतूल क्षेत्र का संसद में पहला झंडाबरदार

राजीव खंडेलवाल

स्मृति शेष

सुभाष आहूजा

सूर्यपुत्री मां ताप्ती की उद्गम स्थली और सतपुड़ा की पर्वतमालाओं से घिरी महाराष्ट्र की सीमा से लगी बैतूल लोकसभा सीट स्वतंत्रता के बाद से ही बनी हुई है। यद्यपि समय-समय पर इसकी सीमाओं में परिवर्तन अवश्य हुए हैं। पहले यह बैतूल छिंदवाड़ा लोकसभा सीट कहलाती थी। अब बैतूल - हरदा सीट कहलाती है। पहले यह सामान्य सीट थी और 2008 के बाद आरक्षित होकर आदिवासी हो गई। 1952 से लेकर 2024 तक 72 वर्ष के संसदीय सफर में 1977 के पहले तक बैतूल लोकसभा क्षेत्र का कभी भी स्थानीय तो छोड़िए क्षेत्रीय निवासी भी संसद नहीं बन पाया। सुभाष आहूजा ही ऐसे पहले शख्स थे। आपातकाल के बाद हुए वर्ष 1977 के लोकसभा चुनाव में न केवल पहला स्थानीय सांसद होने का गौरव प्राप्त किया, बल्कि कांग्रेस की लगातार जीत के सफर को जनता पार्टी जिसके जनसंघ घटक के सदस्य सुभाष आहूजा थे, ने रोका। पार्टी बाद में भाजपा में परिवर्तित हुई। जनता पार्टी तथा आज की भाजपा कहलाने वाली पार्टी के वे प्रथम संसद सदस्य बैतूल लोकसभा के चुने गए। 27 साल की उम्र में हुए लोकसभा के सबसे युवा सदस्य होने का तत्समय का भी रिकॉर्ड उनके नाम से ही है। युवा मोर्चा के वे राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे।

मुझे आज भी वे क्षण याद आते हैं, जब लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई थी। और चुनाव लड़ने के लिए हमारे द्वारा डॉक्टर त्रिलोकी नाथ भार्गव के घर (हाथी बंगला) में बैठक बुलाई गई थी। मात्र 9 लोगों की उपस्थिति में से 7 लोगों ने मजबूरी बताते चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। आपातकाल में मीसा में जेल में रहने वाले सुभाष और मुझसे, बाकी लोगों ने चुनाव लड़ने बाबत पूछा तक नहीं था। तब सुभाष भाई ने खड़े होकर कहा यदि बलि का बकरा ही बनना है तो मैं तैयार हूं। तब वी के आनंद (हरदा) के चुनाव लड़ने के इनकार करने पर सुभाष के साहस और जनसंघ के प्रति उनकी निष्ठा ने बैतूल से पहली बार जनता पार्टी का विजयी झंडा लहराया।

उसके बाद वे कई चुनाव लडे व हारे भी। लेकिन पार्टी का झंडा व दरी के चार कोने में से एक कोना वे हमेशा उठाते रहे। जीवन पर्यन्त पार्टी के प्रति उनकी कर्मठता बनी रही। एक पूर्व सांसद के रूप में नहीं, एक नेता के रूप में नहीं, बल्कि एक कार्यकर्ता के रूप में, सिपाही के रूप में अंतिम समय तक जब तक स्वस्थ रहे पार्टी के लिए सक्रिय बनें रहे। वर्ष 77 के बाद लम्बे समय के बाद वर्ष 89 में बैतूल लोकसभा से भाजपा का झंडा पुनः आरिफ बेग ने फहराया। मैं उनका चुनाव संचालक था। अगले दो लोकसभा चुनाव में हार के बाद वर्ष 1996 में विजय कुमार खंडेलवाल (मुन्नी भैया) ने जो फिर भाजपा की नींव नये सिरे से रखकर झंडा गाड़ा। लगातार चार बार लोकसभा चुनाव जीतकर भाजपा की नींव को मजबूत किया। उनकी मृत्यु की पश्चात उनके सुपुत्र हेमंत खंडेलवाल जो वर्तमान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष है ने भी उस विजय को बरकरार रखा। तत्पश्चात ज्योति धुर्वे व वर्तमान में केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने लोकसभा में झंडा उठाये हुए है। निश्चित रूप से आज यदि भाजपा संसदीय क्षेत्र में मजबूत दिख रही है तो उसकी प्रथम जीत का स्वाद जिले की जनता को सुभाष आहुजा ने ही दिलवाया था। इस जीत का लगातार स्वाद विजय कुमार खंडेलवाल की 96 की जीत से जो प्रारंभ हुआ है, वह आज तक बदस्तूर जारी है।

सुभाष भाई को भावपूर्ण श्रंद्धाजलि।

(लेखक टैक्स सलाहकार हैं एवं भाजपा कार्यकर्ता रहे हैं)

एंटी टेररिस्ट स्क्वाड की कार्रवाई: मप्र -छग में 20 के छिपे होने की आशंका

कंबल बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद फिर पकड़े गए तीन अफगानी, फर्जी दस्तावेजों से बने पासपोर्ट

जबलपुर/भोपाल। दोपहर मेट्रो

जबलपुर में एंटी टेररिस्ट स्क्वाड(एटीएस) ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय पासपोर्ट बनवा कर रहे तीन और अफगानी युवकों को हिरासत में लिया है। इससे पहले भी एटीएस ने जबलपुर से तीन अफगानी नागरिकों को गिरफ्तार किया था, जिनसे पूछताछ के दौरान किए गए खुलासे के बाद एटीएस ने उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया है।

जानकारी के मुताबिक, एटीएस ने शहर के छोटी ओमती इलाके में रहने वाले याकूब खान, मोहम्मद यूनुस और अब्दुल खान को पकड़ा है। ये तीनों जबलपुर में रहकर कंबल बेचने का काम करते थे। शुरूआती जांच में एटीएस को पता चला है कि तीनों आठ नल इलाके में एक किराए का मकान लेकर रह रहे थे। तीनों अफगानी नागरिकों ने भारतीय दस्तावेज बनवा रखे थे। एटीएस अब यह जानने की कोशिश कर रही है कि और कितने लोग फर्जी दस्तावेज बनवाकर रह रहे हैं। गौरतलब है कि एटीएस ने एक अगस्त को जबलपुर के छोटी ओमती में 10 साल से छिपकर रह रहे अफगानी नागरिक सोहबत खान को गिरफ्तार किया था। सोहबत ने सोशल मीडिया में अपनी एक फोटो पिस्टल के साथ पोस्ट की थी। एटीएस के अनुसार, सोहबत खान यहां किराए के मकान में रहकर कंबल बेचने का काम किया करता था। अफगानी नागरिक सोहबत खान 2015 में एक काम के सिलसिले में पश्चिम बंगाल से होते हुए भोपाल और फिर जबलपुर आया था। इसके बाद सोहबत ने जबलपुर के छोटी ओमती इलाके में रहने वाली एक महिला से दोस्ती की और बाद में उससे निकाह कर साथ रहने लगा। सोहबत खान ने ना सिर्फ अपना बल्कि कई अफगानियों के नकली पासपोर्ट बनवाए थे, जिसके लिए जबलपुर के विजयनगर निवासी दिनेश गर्ग पिता श्रवण गर्ग और कटंगा रोड निवासी महेंद्र कुमार पुत्र माधव प्रसाद को भी गिरफ्तार किया था।

अकबर का एक लाख 20 हजार रुपये में बनवाया था पासपोर्ट

एटीएस को जांच के दौरान पता चला कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में 20 से ज्यादा अफगानी युवक बिना कोई जानकारी दिए अपनी मूल पहचान छिपाकर रह रहे थे। सोहबत की निशानदेही पर एटीएस ने 53 वर्षीय अकबर को भी पकड़ा है, जो कि अभी जेल में है। अकबर करीब 20 साल पहले अफगानिस्तान से भारत आया और फिर यहीं बस गया था। अकबर पश्चिम बंगाल में रह रहा था और उसे कोलकाता से गिरफ्तार किया गया है। सोहबत ने अकबर का एक लाख 20 हजार रुपये में पासपोर्ट बनवाया था। सोहबत और अकबर की तरह अफगानी नागरिक इकबाल खान का भी फर्जी पासपोर्ट बनवाया था, जिसके जरिए वह जल्द ही अफगानिस्तान जाने की फिराक में था। एटीएस ने इस केस में तीन अन्य लोगों को भी पकड़ा था, जिसमें वन विभाग में पदस्थ दिनेश गर्ग, चंदन सिंह और महेश सुखदान भी शामिल है। एटीएस ने छोटी ओमती से जिस याकूब खान को हिरासत में लिया है, वह 15 साल पहले अपने दादा के साथ अफगानिस्तान से भारत आया था। सूत्र बताते हैं कि याकूब के बाद यूनुस और अब्दुल भी भारत आ गए। यहां आने के बाद इन दोनों का भी भारतीय पासपोर्ट बन गया था। एटीएस अब गिरफ्तार अफगानी नागरिकों से पूछताछ कर रही है, ताकि महत्वपूर्ण जानकारी हाथ आ सके।

मां नर्मदा की पंच चौकी महाआरती में शामिल हुए राज्यपाल पटेल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल मंडला प्रवास के दौरान मां नर्मदा तट के माहिष्मती घाट पर भव्य पंच चौकी महाआरती में शामिल हुए। उन्होंने तट पर प्रदेशवासियों की मंगल कामना के साथ पूजन कर मां नर्मदा का दुग्ध अभिषेक किया। राज्यपाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने दीपदान किया। इसके पश्चात रूद्राष्टक पाठ हुआ, तत्पश्चात नर्मदाष्टक का पाठ किया गया। इसके बाद समवेत स्वर में माँ नर्मदा की आरती की गई। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट ने भी मां नर्मदा का पूजन-अर्चन किया। इस दौरान नमामि नर्मदे महाआरती ट्रस्ट के सदस्यगण, विनय मिश्रा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, एसडीएम सोनल सिडाम, तहसीलदार हिमांशु भलावी सहित बड़ी संख्या में श्रृद्धालुजन उपस्थित रहे।

सम्पूर्णता अभियान में दो स्वर्ण पदक

दमोह । जिले को दो स्वर्ण पदक मिल मिलने जा रहे हैं। आज भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेशन सेंटर में आयोजित समारोह में

मुख्यमंत्री मोहन यादव सरकार द्वारा चलाए गए सम्पूर्णता अभियान में शत प्रतिशत कार्य करने को लेकर दमोह को एक नहीं दो स्वर्ण पदक प्रदान करेंगे। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जा रहा है । नीति आयोग भारत सरकार की आकांक्षी परियोजना है। उसमें दमोह आकांक्षी जिला है और तेंदूखेड़ा आकांक्षी विकासखंड है। जुलाई से सितंबर तक पिछले वर्ष संपूर्णता अभियान चलाया गया था। अभियान में 06 अलग-अलग पैरामीटर्स पर कार्य किया जाना था। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि से संबंधित पैरामीटर्स तय किये गये थे। तो सभी 06 इंडीकेटर्स पर 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के कारण न केवल दमोह को आकांक्षी जिले के रूप में बल्कि तेंदूखेड़ा को भी आकांक्षी विकास खंड के रूप में गोल्ड मेडल प्राप्त के साथ प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

रामटेक से शिकारा रेल लाइन के लिए चलाया जा रहा अभियान

बहुप्रतीक्षित मांग के लिए हस्ताक्षर करने उमड़ रहे लोग

सिवनी। दोपहर मेट्रो

जिले की बहुप्रतीक्षित मांग रामटेक से शिकारा रेल लाइन के लिए चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान में जनप्रतिनिधि, नागरिक अपना समर्थन देने पहुंच रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस से हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई है। इसको लेकर नागरिकों में खासा उत्साह है। हस्ताक्षर के लिए पहुंचे नागरिकों ने कहा कि शिकारा से रामटेक रेल मार्ग के निर्माण से जिले के विकास के नवीन अवसर तो मिलेंगे ही यह जिले वासियों के लिए यातायात का एक सुगम साधन होगा। इस रेल मार्ग की मांग को पूरा करने के लिए हम हमें एक व्यापक जन आंदोलन करना होगा।

इसके प्रथम चरण में हस्ताक्षर अभियान की जिला मुख्यालय से शुरुआत करने के साथ ही अब जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर जन जागृति अभियान चलाया जाएगा। रामटेक-शिकारा रेल मार्ग के मांग पत्र पर हस्ताक्षर अभियान में भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य दल के प्रमुख नेताओं के साथ ही शासकीय कर्मचारी, छात्र-छात्राएं और आमजन समर्थन के तौर पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। आयोजन के सम्बंध में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रेम तिवारी ने कहा कि जिले वासियों की इस मांग को पूरा करना न सिर्फ जिले की जनता बल्कि रेल विभाग के लिए भी बेहद फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि इससे उत्तर से दक्षिण भारत की दूरी 250 किलोमीटर तक कम हो जाएगी।

भारतीय किसान संघ बोला... मूंग खरीदी घोटाले का दंश किसान क्यों भुगतें...?

किसान संघ के प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर दीपक सक्सेना को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर । दोपहर मेट्रो

भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर दीपक सक्सेना से मुलाकात कर शासन द्वारा किसानों से उपार्जित की गई मूंग व उड़द का तत्काल भुगतान कराने संबंधी मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में शामिल जिला मंत्री धनंजय पटेल और सम्भागीय उपाध्यक्ष व विद्युत नियामक आयोग के सदस्य दामोदर पटेल ने बताया कि शहपुरा तहसील के मजीठा ग्राम के एमएलटी वेयरहाउस में सेवा सहकारी समिति बसेड़ी द्वारा मूंग उड़द की खरीदी की गई और जब किसानों को समाचार पत्रों से पता चला कि इस खरीदी केंद्र में खरीदी में शामिल लोगों ने अधिक मूंग पोर्टल में दर्ज कर करोड़ों की राशि का घोटाला किया है। जिसके कारण प्रशासन जांच कर रहा है। पटेल ने आगे कहा कि किसान संघ सरकार से मांग करता है कि प्रशासन गहन जांच करे व घोटाले में शामिल लोगों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। साथ ही पटेल ने कहा कि किसानों को इसमें परेशान न किया जाए और उनके रुके हुए मूंग उड़द के भुगतान तत्काल किए जाएं।

किसान संघ के जिलाध्यक्ष रामदास पटेल ने कहा कि जिले में जारी उपार्जन व्यवस्था में खामियों के चलते ही ये घोटाले सामने आ रहे हैं। जिन अधिकारियों को मॉनिटरिंग व्यवस्था में लगाया जाता है वे भी शामिल हो जाते हैं और इसका दंश किसान झेलता है। पटेल ने कहा कि खरीदी व्यवस्था में लगे प्रशासनिक तंत्र में बड़े बदलाव की आवश्यकता है।

यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हो

शहपुरा तहसील के अध्यक्ष व किसान वीरेंद्र साहू ने बताया कि मक्का व धान उत्पादक किसानों को यूरिया की कमी के चलते फसलों के उत्पादन में नुकसान होने की संभावना है। यूरिया की कमी व वितरण व्यवस्था में जारी अराजकता व भ्रष्टाचार के चलते जिले भर का किसान परेशान है। हमारी सरकार से मांग है कि शीघ्र यूरिया की कमी को दूर कर पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

डायल 112 के लिए मंदसौर को मिले आधुनिक सुविधाओं से लैस 24 वाहन

मंदसौर। जिले में पुलिस आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने के लिए 22 नए वाहन शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री द्वारा भोपाल से भेजी गई 22 गाड़ियों में से 18 मंदसौर पहुंच चुकी हैं। शेष 4 गाड़ियां अगले 3-4 दिनों में पहुंचेंगी। पुलिस लाइन के रक्षित निरीक्षक दिनेश बैस ने बताया कि पहले जिले में डायल 100 की 20 गाड़ियां थीं। अब डायल 112 सेवा के लिए 22 गाड़ियां उपलब्ध होंगी। इनमें से 2 अतिरिक्त वाहनों को आलाधिकारियों के निर्णय के बाद जिले में तैनात किया जाएगा। नई गाड़ियों में आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। हर वाहन में बॉडी वॉर्न कैमरा, डैशबोर्ड कैमरा और जीपीएस सिस्टम लगा है। लोकेशन आधारित ट्रैकिंग और लाइव मॉनिटरिंग की सुविधा भी है। आपात स्थिति में तुरंत मदद के लिए वाहनों में हैक्सा, बोल्ट कटर, टिन कटर, कुल्हाड़ी, रस्सी, स्ट्रेचर, डेड बॉडी कवर और हैमर जैसे उपकरण रखे गए हैं। सरकार प्रदेश भर में डायल 112 सेवा के लिए 1200 नई गाड़ियां शामिल कर रही है। डायल 100 सेवा को बंद कर दिया गया है। अब नागरिकों को आपातकालीन पुलिस सहायता के लिए 112 नंबर पर कॉल करना होगा। एसपी अभिषेक आनंद के निर्देश पर इन गाड़ियों को विभिन्न थाना क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा।

ग्रामीणों की शिकायत पर अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

ग्राम धमासा के ग्रामीणों ने अवैध शराब विक्रय से परेशान होकर थाना एवं तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम सरोज सिंह परिहार को एक लिखित आवेदन सौंपा था। यहाँ लंबे समय से कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से शराब बेची जा रही है थी। इस अवैध कारोबार के चलते गाँव का माहौल बिगड़ रहा है और सामाजिक ताना-बाना प्रभावित हो रहा है।

इस संबंध में एसडीएम ने ग्रामीणों को कार्यवाही का आश्वासन दिया था। ग्रामीणों ने चेतावनी दी थी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने और सड़क पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराने को बाध्य होंगे। जिस पर ग्राम धमासा में आबकारी विभाग ने अपनी टीम के साथ पहुंच कर दबिश दी । आबकारी अधिकारी हेमंत चौकसे ने बताया इस दौरान तीन आरोपियों के मकानों की तलाशी ली गई जिसमें राधा भाई के आधिपत्य से लगभग 4 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा तथा राहुल कटारे के घर से लगभग 9 लीटर अवैध देशी प्लेन मदिरा बरामद की गई दोनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। वही दूसरी ओर आरोपी नीतुबाई बोरासी के मकान पर भी दबिश दी गई, किंतु वहां से कोई भी अवैध मदिरा अथवा आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई। सभी कार्रवाई नियमानुसार एवं साक्ष्य संकलन के साथ संपन्न की गई।

ग्राम लालेपुर में गोली मारकर दिया था वारदात को अंजाम

भाई और भतीजे की हत्या के आरोपी रिटायर्ड फौजी को दोहरे आजीवन कारावास की सजा

सागर। दोपहर मेट्रो

भाई और भतीजे के बहुचर्चित हत्याकांड मामले में अदालत ने आरोपी रिटायर्ड फौजी को दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जमीन के विवाद पर फौजी ने भाई व भतीजे की गोली मारकर हत्या की थी और अपनी बेटी पर थाना जानलेवा हमला किया था। घटना जिले के सानौधा क्षेत्र के ग्राम लालेपुर की है। दो साल पहले आरोपी ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से अपनों का खून बहाया था। बीच-बचाव करने आई अपनी बेटी के पैर में गोली मार दी थी। मामले में पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक सौरभ डिम्हा ने बताया कि पीएम के दौरान मृतक राममिलन और अजय के शरीर से गोली बरामद हुई जो जांच के लिए एफएसएल भेजी गई, जहां रिपोर्ट में आरोपी से जब्त पिस्टल से चलने का मिलान हुआ था। आरोपी की पत्नी व बेटी घटना की प्रत्यक्षदर्शी थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 27 गवाहों की गवाही कराई और सभी साक्ष्य अदालत में पेश किए। साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने रामाधार तिवारी को दोषी मानते ते हुए हुए दोहरा दोहरा आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। फौजी रामाधार तिवारी का अपने भाई राममिलन से पैतृक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। 1 सितंबर 2023 की सुबह करीब 11 बजे एक बार फिर विवाद हुआ। आरोपी रामाधार ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से पहले भाई राममिलन को गोली मार दी। इसके बाद पिता को बचाने आए भतीजे अजय को भी गोली मार दी। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के समय आरोपी की बेटी वर्षा बीच-बचाव करने पहुंची तो रामाधार ने उसे भी गोली चलाई वर्षा गंभीर रूप से घायल हो गई थी। घटना के बाद आरोपी कार से भाग गया। वारदात की प्रत्यक्षदर्शी आरोपी की पत्नी व बेटी व 27 गवाहों की गवाही कराई और सभी सबूत अदालत में पेश किए जिस पर न्यायाधीश प्रशांत सक्सेना की कोर्ट ने फैसला सुनाया है।

टीआरएस कॉलेज में आज रोजगार मेला, कई कंपनियां हो रही हैं शामिल

रीवा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत यहां टीआरएस कॉलेज में आज रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इसमें जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। रोजगार उप संचालक अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 16 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपये से 35 हजार रुपये तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। रोजगार मेले में भारत फ्यूचर माइंड्स इनोवेशन प्रा. लि. गाजियाबाद, सुजलॉन एनर्जी लि. अनन्तपुर आंध्रप्रदेश, अलर्ट एसजीएस प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़, धूत ट्रांसमिशन औरांगाबाद, आमधनी प्रा. लि. एमआरएस टायर्स गुजरात, मिग्मा पैकट्रॉन प्रा. लि. इंदौर, ट्रायडेन्ट कंपनी बुधनी, सीहोर, प्रभा बायोप्लांटस प्रा. लि. रीवा, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा,श्री फूड प्रोड्क्स उद्योग विहार चोरहटा रीवा तथा बजाज अलियाज प्रा. लि. रीवा शामिल हो रहे है।

मेट्रो एंकर

बीटेक डेयरी टेक्नोलॉजी के बाद एक नए पाठ्यक्रम के साथ की जा रही है पहल

उद्योग के लिए टीसीएस की मदद से तैयार होंगे विक्रम यूनिवर्सिटी के छात्र

उज्जैन, एजेंसी।

उज्जैन स्थित विकम विश्वविद्यालय ने हाल ही में बीटेक डेयरी टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम प्रारंभ किया था। अब सीएसबीएस(कंप्यूटर साइंस एंड बिजनेस सिस्टम) नामक एक और महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। कुलगुरू प्रो.अर्पण भारद्वाज ने इस नए पाठ्यक्रम की जानकारी दी। शुरुआत के लिए विक्रम विश्वविद्यालय और टीसीएस(टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आज हस्ताक्षर होने जा रहे हैं। इस अवसर के लिए टीसीएस ग्लोबल हेड अकादेमिक के. सुचेंद्रन पहुँच चुके हैं। उन्होने बताया कि यह साझेदारी विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षित करने में मदद करेगी। श्री भारद्वाज ने इस उपलब्धि पर कहा कि विवि का लक्ष्य विद्यार्थियों को सिर्फ किताबी ज्ञान देना नहीं बल्कि उन्हें ऐसा ज्ञान देना है जो सीधे रोजगार दिला सके। बीटेक डेयरी टेक्नोलॉजी के बाद सीएसबीएस पाठ्यक्रम इसी दिशा में हमारा दूसरा बड़ा कदम है। यह पाठ्यक्रम सूचना प्रौद्योगिकी और व्यापार प्रबंधन के ज्ञान को एक साथ मिलाकर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करेगा। ये दोनों नए पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की प्रगतिशील सोच को दर्शाते हैं। जहां बीटेक डेयरी टेक्नोलॉजी का पाठ्यक्रम प्रदेश को डेयरी कैपिटल बनाने के स्वप्न को साकार करेगा वहीं सीएसबीएस कोर्स छात्रों को तकनीकी और व्यापारिक कौशल दोनों में पारंगत बनाकर उन्हें आधुनिक बाजार की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करेगा।

कार्यपरिषद सदस्यों का पूरा सहयोग मिला

उन्होने बताया कि विश्वविद्यालय की इस महत्वपूर्ण पहल में कार्यपरिषद सदस्यों का पूरा सहयोग मिला है। कार्यपरिषद के सदस्य रूपचंद पमनानी, राजेशसिंह कुशवाहए,वरुण गुप्ता,डॉ. संजय वर्मा,मंजूषा मिमरोट,डॉ. कुसुमलता निंगवाल और कुलसचिव डॉ.अनिल कुमार शर्मा ने इस दूरदर्शी निर्णय का स्वागत किया है। यह पूरे उज्जैन और समीपस्थ क्षेत्रों के लिए उपलब्धि है।

जन सहयोग से गौशाला किन्नर सरिता बनी अध्यक्ष

सिवनी मालवा। बरसों से नगर के युवा गौ सेवक गायों की सेवा में लगे हुए हैं। गाय जहां मुसीबत में है उसकी सहायता करने पहुंच जाते हैं और गायों की रक्षा के लिए समय-समय पर गायों के सींग पर रेडियम लगाकर उन्हें दुर्घटना से बचाने का संदेश दिया जाता है। । अब गौमाता का मंदिर (गौशाला) बिल्धी रोड, तालाब के पास गौ शाला बनने जा रही है। इसकी समिति में सर्व सहमति से किन्नर सरिता पांडे को अध्यक्ष एव कन्हैया बाथव को सचिव नियुक्त किया गया। जल्द ही जनभागीदारी समिति का गठन भी किया जाएगा। वर्तमान मैं लाखो रुपये की राशि से गौशाला का निर्माण किया जा रहा है। पूरा कार्य बिना शासन प्रशासन की मदद के जनसहयोग से किया जा रहा है। गौशाला के संरक्षकों ने बताया कि इस गौशाला में जिसे हम गौमाता का मंदिर कहते है, का संचालन बिना शासकीय मद के आजीवन जनसहयोग से किया जाएगा।

एशिया कप-2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान

5 बल्लेबाज, 3 ऑलराउंडर, 3 पेसर और तीन स्पिनर भारत के लिए दिखाएंगे दम

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप 2025 टीम इंडिया का स्कॉड का ऐलान हो गया है। टीम में कुल मिलाकर 5 बल्लेबाज, 3 ऑलराउंडर और 3 पेस गेंदबाज चुने गए हैं। वहीं 2 विकेटकीपर भी शामिल किए गए हैं। वहीं इस टीम में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली, जिसने एक बार फिर से कई सवाल खड़े कर दिए। वहीं टी20 फॉर्मेट वाले एशिया कप की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। सूर्या के डिप्टी शुभमन गिल हैं।

टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड में भारत की 2025 टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने मैचों में 75.40 की औसत और चार शतकों के साथ 754 रन बनाए थे। इसी वजह से उनको टीम में जगह मिली और उपकप्तानी भी। शुभमन गिल भारत के लिए आखिरी बार टी20 क्रिकेट में जुलाई 2024 में खेलते हुए दिखे थे। वहीं इंग्लैंड दौरे पर 23 विकेट झटकने वाले मोहम्मद सिराज को टीम में जगह नहीं मिली है। आइए अब समझते हैं 15 सदस्यीय टीम में भारतीय टीम का बेड़ा कैसा है, मतलब कितने बल्लेबाज, कितने ऑलराउंडर्स, कितने पेस गेंदबाज, कितने विकेटकीपर और कितने स्पिनर हैं।

टॉप ऑर्डर में संजू और अभिषेक शर्मा करेंगे ओपन

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एशया कप में ओपनिंग करते हुए दिखेंगे। वहीं तिलक वर्मा और सूर्यकुमार के क्रमश: तीसरे एवं चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरेंगे। शुभमन गिल भी अब टीम में हैं, ऐसे में देखना होगा कि वो किस पोजीशन पर खेलेंगे। वो ओपनिंग और मध्यक्रम दोनों में खेलने में महारथ रखते हैं। संजू सैमसन और जितेश शर्मा को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर एशिया कप स्क्वॉड में जगह मिली है। पर यहां संजू सैमसन को तवज्जो मिलेगी, जो अभिषेक शर्मा संग ओपनिंग करते हुए दिखेंगे। वहीं जितेश बैकअप के तौर शामिल किए गए हैं।

बुमराह के सिपहसलार होंगे अर्शदीप-राणा

जसप्रीत बुमराह के हाथों में एशिया कप में तेज गेंदबाजी की कमान होगी। इसके इतर अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा अन्य तेज गेंदबाज हैं। प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज सेलेक्शन की रेस में थे, लेकिन उनको मौका नहीं मिला। कृष्णा स्टैंडबाय में शामिल हैं। ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल को स्क्वॉड में जगह मिली है। हार्दिक और शिवम बैटिंग ऑलराउंडर हैं। जबकि अक्षर पटेल स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर हैं।

एशिया कप के लिए टीम में 2 स्पिनर शामिल

एशिया कप के लिए कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती 2 स्पेशलिस्ट स्पिनर्स के तौर पर टीम में शामिल किए गए हैं। 30 साल के कुलदीप यादव आखिरी बार टी20 फॉर्मेट में टी20 वर्ल्ड कप 2024 के दौरान खेलते दिखे थे। जहां उन्होंने 5 मुकाबलों में 10 विकेट लिए थे। वहीं कुलदीप ने 40 टी20 मैचों में कुल 69 विकेट हासिल किए हैं. रॉन्ग वन और फ्लिपर के लिए फेमस कुलदीप यूएई की पिचों पर कारगर साबित हो सकते हैं।

एशिया कप के लिए टीम में किसे मिली जगह

सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती , अर्शदीप सिंह , कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह

एशिया कप 2025 के लिए स्टैंडबाय खिलाड़ी

प्रसिद्ध कृष्णा , वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल

5 बल्लेबाज: सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह,
3 ऑलराउंडर: हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल,
2 स्पिन गेंदबाज: वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव,
3 पेस गेंदबाज: अर्शदीप सिंह ,हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह
2 विकेटकीपर: जितेश शर्मा, संजू सैमसन
5 स्टैंडबाय: प्रसिद्ध कृष्णा , वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल

वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान,

स्मृति मंधाना होंगी उप कप्तान शेफाली को नहीं मिला मौका

नई दिल्ली , एजेंसी

महिला वर्ल्ड कप 2025 के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान कर दिया गया है। वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में शेफाली वर्मा अपनी जगह नहीं बना सकीं। टीम इंडिया की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में है, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। शानदार प्रदर्शन के चलते प्रतिका रावल और हरलीन देओल को विश्व कप टीम में स्थान मिला है। इनके अलावा रेणुका सिंह भी टीम में जगह बनाने में कामयाब रही हैं। सेलेक्टर्स ने क्रांति गौड़ और श्री चरणी को भी इस टीम में मौका दिया गया है, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया भले ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे टीम में स्थान नहीं बना सकीं, लेकिन उन्हें वर्ल्ड कप टीम में जगह दी गई है।

भारत-आस्ट्रेलिया खेलेंगे वनडे सीरीज

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 14 सितंबर से तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज शुरू होगी। पहला मैच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। अगला मुकाबला 17 सितंबर को इसी स्थान पर होगा। 20 सितंबर को दोनों टीमें दिल्ली में आमने-सामने होंगी। इसके बाद 30 सितंबर से वर्ल्ड कप की शुरुआत होगी। पहले ही दिन भारत का सामना श्रीलंका से होगा।

पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह का तंज

एक तरफ हमारे फौजी शहादत दे रहे दूसरी ओर पाक के साथ मैच सही नहीं

अमृतसर । क्रिकेटर हरभजन सिंह मंगलवार को पत्नी गीता बसरा और फिल्म निर्देशक राज कुंद्रा के साथ सचखंड श्री हरमंदिर साहिब पहुंचे। इस दौरान हरभजन सिंह ने पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच न खेलने की बात दोहराते हुए कहा कि एक तरफ देश के फौजी अपनी शहादत दे रहे हैं, दूसरी ओर पाकिस्तान के साथ मैच खेलना सही नहीं है।

हरभजन सिंह ने पत्रकारों से कहा, ÷मेरा मानना है कि अगर किसी देश के साथ हमारे संबंध अच्छे नहीं हैं, तो उनके साथ न ही व्यापार और न ही क्रिकेट होना चाहिए। एक तरफ हमारे फौजी भाई अपनी शहादत दे रहे हैं। दूसरी ओर अगर हम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलते हैं, तो यह ठीक नहीं है। भज्जी ने स्पष्ट किया है कि यह उनकी व्यक्तिगत सोच है, लेकिन अंतिम फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और सरकार का होता है। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होने जा रही है। इस टूर्नामेंट में 14 सितंबर को भारत का सामना पाकिस्तान से होगा। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष लोगों की मौत हुई थी। द रेजिस्टेंस फ्रंट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

एशिया कप : टी20 टीम में लंबे समय बाद वापसी, सूर्या ने किया शुभमन गिल का स्वागत

मुंबई । भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी पर उनका स्वागत किया है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने अगले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया, जिसमें गिल को उपकप्तान चुना गया। सूर्यकुमार यादव ने टीम की घोषणा के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷मेरे विचार से शुभमन गिल ने भारत की ओर से आखिरी बार श्रीलंका दौरे पर टी20 मैच खेला था। उस समय मैं कप्तान था, जबकि गिल उपकप्तान थे। यहीं से हमने टी20 वर्ल्ड कप के लिए नए दौर की शुरुआत की। सूर्यकुमार ने 2026 के टी20 विश्व कप की ओर एक कदम के रूप में एशिया कप के महत्व को रेखांकित किया है।

साउथ अफीका ने पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को रौंदा

केशव महाराज के पंजे से बेदम हुए कंगारू

नई दिल्ली , एजेंसी

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को केर्न्स में खेला गया पहला वनडे मैच 98 रन से जीता। इसी के साथ साउथ अफ्रीकी टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। कैजली स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर 296 रन बनाए।

मेहमान टीम को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। रयान रिकेल्टन ने एडन मार्करम के साथ 16.5 ओवरों में 92 रन की साझेदारी की। रिकेल्टन 43 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान टेंबा बावुमा ने मार्करम के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जुटाए। मार्करम 81 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 82 रन की पारी खेलकर आउट हुए।

यहां से कप्तान ने मोर्चा संभाला और मैथ्यू ब्रीत्जके के साथ तीसरे विकेट के लिए 92 रन जुटाते हुए टीम को विशाल स्कोर की ओर ला दिया। ब्रीत्जके ने 56 गेंदों में एक छक्के और सात चौकों के साथ 57 रन बनाए, जबकि बावुमा 74 गेंदों में 65 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें पांच चौके शामिल थे।

विपक्षी टीम की ओर से ट्रेविस हेड ने सर्वाधिक चार विकेट अपने नाम किए, जबकि बेन ड्वारशुइस ने दो शिकार किए। एडम जांपा को एक विकेट हाथ लगा। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 40.5 ओवरों में 198 रन पर सिमट गई। ट्रेविस हेड और कप्तान मिचेल मार्श ने 7.1 ओवरों में 60 रन की साझेदारी की

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

युवराज सिंह की सौतेली बहन एमी को देखा? खूबसूरती की हैं मलिका

पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह अपने दौर के सबसे धाकड़ बल्लेबाजों में से एक हैं। जिन्होंने भारत को वर्ल्ड कप जिताने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, तो अब उनके घर से एक और खिलाड़ी का चयन टीम इंडिया में हो गया है। दरअसल, ये और कोई नहीं उनकी सौतेली बहन अमरजोत कौर उर्फ एमी बुंदेल हैं, जो इसी साल अगस्त में होने वाले एशिया पैसिफिक पैडल कप में खेलती नजर आईं। जिसका आयोजन कुआलालंपुर, मलेशिया में होगा। जिसको लेकर एमी लाइमलाइट में हैं। ज्ञात हो कि युवराज के पिता योगराज सिंह ने दो शादी की हैं। पहले उन्होंने शबनम से शादी की और युवराज और उनके भाई जोरावर के जन्म के बाद उनसे तलाक ले लिया। इसके बाद उन्होंने पंजाबी एक्ट्रेस नीना बुंदेल से शादी की। जिनसे ही उन्हें एमी और एक बेटा विक्टर हुआ। लेकिन, इन दिनों चर्चा में उनकी लाडली एमी हैं, जो बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस हैं। इंस्टाग्राम पर भी अक्सर एमी के स्टाइलिश लुक्स देखने को मिल जाते हैं, जहां उन्हें देखकर लगता है जैसे वह कोई हीरोइन हैं। योगराज की दूसरी बीवी नीना अपने जमाने की पंजाब की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार थीं। ऐसे में उनकी लाडली बेटी भी खूबसूरती के मामले में किसी हीरोइन से कम नहीं है। अब यहां ही देख लीजिए, कोर्ट में प्रेक्टिस के दौरान भी एमी का स्टाइल कमाल का लगता है। चाहे वह शॉर्ट्स पहने या फिर स्कर्ट, दोनों ही ब्लू एंड ब्लैक लुक में उनका अंदाज काफी ग्लैमरस है।

रेखा की खूबसूरती को फिर मिला मनीष मल्होत्रा का साथ

नई दिल्ली । बॉलीवुड की जानी-मानी अदाकारा रेखा अपने खास पहनावे और शालीन अंदाज के लिए हमेशा से चर्चा में रहती हैं। उम्र चाहे जितनी हो, रेखा हर बार कुछ ऐसा पहनती हैं, जो लोगों का दिल जीत लेता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने रेखा की कुछ नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। मनीष अक्सर बॉलीवुड सितारों के लिए शानदार कपड़े डिजाइन करते हैं।

साड़ी में दिखा खास अंदाज

अपनी पोस्ट में मनीष ने रेखा की कई फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वह आइवरी और गोल्डन कलर की बनारसी साड़ी में नजर आ रही हैं। इस साड़ी को हाथ से बुना गया है और यह सिल्क लिनन से बनी हुई है। रेखा ने अपने लुक को एक छोटे से गोल्डन पर्स, कांच की चूड़ियों और बड़े-बड़े झूमकों के साथ पूरा किया है। उन्होंने बालों का सुंदर सा जूड़ा भी बनाया हुआ है। हर तस्वीर में रेखा पलकें झुकाए कैमरे की ओर पोज दे रही हैं।

मनीष मल्होत्रा ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, हमारी साड़ियों के प्रति दीवानगी, चमक से लेकर बनावट तक, शिफॉन से लेकर हैंडलूम तक... ये एक सच्चा प्यार है... रेखा जी हमारी हाथ से बुनी सिल्क लिनन की आइवरी बनारसी साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जो शाश्वत खूबसूरती और कारीगरी की विरासत का जश्न मनाती है। मनीष मल्होत्रा के इस पोस्ट पर फैन्स जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, रेखा जी तो हमेशा रॉयल लगती हैं! तो वहीं दूसरे यूजर ने कहा, उम्र के साथ आप और भी ग्रेसफुल होती जा रही हैं! कुछ ने मजाकिया अंदाज में भी कमेंट्स किए और लिखा, लगता है बारिश भी इनके लुक को देख कर और तेज हो गई! हर कोई रेखा के लुक की तारीफ कर रहा है और मनीष मल्होत्रा की डिजाइन की भी खूब सराहना हो रही है।

मेट्रो बाजार

पोको एम7 प्लस 5जी की बिक्री फ्लिपकार्ट पर 12,999 में शुरू

नई दिल्ली । भारत के सबसे भरोसेमंद उपभोक्ता प्रौद्योगिकी ब्रांडों में से एक पोको ने मंगलवार को अपने बिल्कुल नए पोको एम7 प्लस 5जी की फर्स्ट सेल फ्लिपकार्ट पर शुरू कर दी है और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर यह फोन 12,999 रुपए की शुरुआती कीमत पर मिल रहा है। 7000एमएएच की विशाल सिलिकॉन-कार्बन बैटरी, शानदार 144 हट्र्ज की रिफ्रेश रेट के साथ 6.9 इंच की एफएचडी प्लस डिस्प्ले और कुशल स्नैपड्रैगन 6एस जेन 3 प्रोसेसर के साथ, यह पावर-पैक फोन 15,000 रुपए से कम कीमत में एक नया मानक स्थापित करता है। पोको ने कहा, पोको एम7 प्लस 19 अगस्त को फ्लिपकार्ट पर एक्सक्लूसिव तौर पर बिक्री के लिए उपलब्ध है। 6जीबी प्लस 128जीबी वाले वैरिएंट की शुरुआती कीमत 12,999 रुपए और 8जीबी प्लस 128जीबी वाले वैरिएंट की शुरुआती कीमत 13,999 रुपए है। लॉन्च ऑफर के तहत, उपभोक्ता एचडीएफसी, एसबीआई या आईसीआईसीआई बैंक कार्ड का उपयोग करके 1,000 रुपए की तत्काल बैंक छूट या पात्र डिवाइस पर 1,000 रुपए का अतिरिक्त एक्सचेंज बोनस प्राप्त कर सकते हैं। यह लिमिटेड-टाइम ऑफर पोको एम7 प्लस को अपने सेगमेंट में सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक बनाता है।

देश 2047 और ओडिशा 2036 में हो जाएगा पूर्ण विकसित

नई दिल्ली । ओडिशा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए 2047 तक का लक्ष्य रखा गया है और देश का पूर्वी राज्य ओडिशा 2036 में ही विकसित बन जाएगा। मुंबई के ताज महल पैलेस में आयोजित सीआईआई ईस्ट इंडिया समिट 2025 के साइडलाइन में वर्धन सिंह देव ने मीडिया से कहा, भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 का लक्ष्य रखा है जबकि राज्य ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के साथ ही आर्थिक विकास का यह लक्ष्य 2036 रखा है।उन्होंने कहा कि ओडिशा 100 वर्षों में पूरी तरह से विकसित हो जाएगा, इसलिए हम आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं और भारत सरकार राज्य से जो अपेक्षा करती है उसे पूरा करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने उद्योगों को लेकर कहा, ओडिशा टूरिज्म, एग्री फूड प्रोसेसिंग, स्टील, एनर्जी सेक्टर, कोल, थर्मल पावर और सोलर आदि जैसे उद्योगों को आमंत्रित करना चाहेगा। हम पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट, बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट की भी तलाश कर रहे हैं। भारत के विकास में पूर्वी राज्यों में ओडिशा अग्रणी होगा।उन्होंने बताया कि हम एग्रो-इंडस्ट्रीज विकसित करना चाहते हैं, जहां उर्वरकों का इस्तेमाल कम हो। वर्धन सिंह देव ने पर्यटन क्षेत्र को लेकर कहा कि हम पर्यटन का विकास कर सकते हैं, हम एग्री-टूरिज्म करना चाहते हैं क्योंकि कोई भी कृषि को पर्यटन के दृष्टिकोण से नहीं देखता। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा, हम रक्षा उत्पादन पर भी विचार कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में जिन ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था, वो कुछ उड़िया लड़कों ने बनाए थे।

कूटरचित दस्तावेजों से तैयार की थी सेल डीड, फर्जी निकली एनओसी और मान्यता

हाईकोर्ट आदेश के बाद पुलिस ने दर्ज की विधायक मसूद के खिलाफ एफआईआर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रियदर्शनी कॉलेज की फर्जी मान्यता का मामला

कोहेफिजा पुलिस ने कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। यह कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश पर की गई है। मसूद पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी कागजातों का इस्तेमाल कर अपने कॉलेज को मान्यता दिलवाई थी। विवेचना के बाद इस मामले में मिलीभगत करने वाले कुछ अन्य अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की संभावना है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए कि इस पूरे मामले की अब एसआईटी जांच करेगी हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि 90 दिन में एसआईटी अपनी जांच रिपोर्ट पेश करेगी। इसके अलावा उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि तीन दिन के भीतर आरिफ मसूद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि बिना राजनीतिक संरक्षण इतने सालों तक कॉलेज नहीं चल सकता था। इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज का संचालन अमन एजुकेशन सोसाइटी करती है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद इस सोसाइटी के सचिव हैं। यह कालेज भोपाल के खानूगांव में स्थित है। इस मामले की शिकायत पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह ने की थी। जांच के बाद आयुक्त उच्च शिक्षा ने माना कि अमन एजुकेशन सोसायटी ने इंदिरा प्रियदर्शनी कालेज के संचालन के लिए फर्जी दस्तावेजों पर एनओसी और मान्यता ली। इसके बाद कालेज की मान्यता रद्द की गई। जांच में पता चला कि कूटरचित दस्तावेजों के जरिए सेल डीड तैयार करवाई और इसे पंजीयन कार्यालय में फर्जी तरीके से दर्ज भी बताया गया था। केस दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की जांच करेगी। उसके बाद इस मामले में कुछ अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया जा सकता है।

पूर्व भाजपा विधायक ध्रुवनारायण सिंह ने इस पूरे मामले की शिकायत की थी। जांच के बाद आयुक्त उच्च शिक्षा ने माना कि अमन एजुकेशन सोसायटी ने इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज के संचालन के लिए फर्जी दस्तावेजों पर एनओसी और मान्यता ली। इसके बाद कॉलेज की मान्यता रद्द की गई। जांच में पता चला कि कूटरचित दस्तावेजों के जरिये सेल डीड तैयार करवाई और इसे पंजीयन कार्यालय में फर्जी तरीके से दर्ज भी बताया गया।

रॉंग साईड से आए स्कूटर चालक ने एएसआई को मारी टक्कर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

शाहजहांनाबाद इलाके में रॉंग साईड से आ रहे एक स्कूटर चालक ने एएसआई को टक्कर मारकर घायल कर दिया। एएसआई ने अपना इलाज कराने के बाद थाने जाकर आरोपी स्कूटर चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया है। जानकारी के अनुसार विजय नगर

लालघाटी निवासी नवाब सिंह राणा पुलिस विभाग में एएसआई हैं। बीती तेरह अगस्त की रात करीब साढ़े दस बजे वह अपने कार्यालय से एलबीएस रोड होकर अपने घर लौट रहे थे। वह रायल मार्केट चौराहे के पास पहुंचे, तभी रॉंग साईड से आ रहे एक तेज रफ्तार स्कूटर चालक ने उनकी स्कूटर में टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गए। गिरने से राणा के हाथ-पैर और शरीर में गंभीर चोट आई थी। इसी दौरान वहां पहुंचे एक पहचान वाले व्यक्ति ने उन्हें घर पहुंचाया और उसके बाद राणा ने अपना इलाज करवाया। मंगलवार को उन्होंने शाहजहांनाबाद थाने जाकर टक्कर मारने वाले स्कूटर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

जगदीशपुर में पकड़ी गई एमडी ड्रग्स फैक्ट्री में नया खुलासा

केमिकल इंजीनियर के साथ मिलकर फैक्ट्री शुरू करने का बना था प्लान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी में दो दिन पहले पकड़ी गई ड्रग फैक्ट्री के मामले में नए खुलासे हो रहे हैं। बताया जाता है कि इस मामले में डायरेक्टोरेट रेवेन्यु इंटेलीजेंस (डीआरआई) द्वारा गिरफ्तार रज्जाक खान ने केमिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है। वह अशोक नगर के केमिकल इंजीनियर के संपर्क में था। दोनों ने ही ईटखेड़ी के जगदीशपुर (इस्लामनगर) में मेफेड्रोन की फैक्ट्री लगाने की प्लानिंग की थी। यहां जुलाई से कच्चा माल और मशीनरी इकट्ठा की जा रहीं थी।

डीआरआई ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। इधर, बिजली विभाग ने पुलिस में शिकायत की है कि मीटर लगाने वाली आउटसोर्स कंपनी के ठेकेदार द्वारा मीटर लगाने की राशि वसूल की गई, लेकिन अब तक विभाग में जमा नहीं की है। डीआरआई ने जगदीशपुर स्थित एक फैक्ट्री से 92 करोड़ की मेफेड्रोन पकड़ी गई है। शनिवार देर रात टीम ने जगदीशपुरा (इस्लामनगर) में छापा मारा था। यहां से 61.20 किलो लिक्विड मेफेड्रोन और 541 किलो से ज्यादा कच्चा माल जब्त किया गया। मौके से ड्रग्स के साथ रज्जाक खान को डीआरआई की टीम ने पकड़ा था।

कार्रवाई में जो 541 किलो कच्चा माल मिला है, उसमें मेथिलीन डाइक्लोराइड, एसीटोन, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, मोनोमेथिलमाइन और 2-ब्रोमो शामिल थे। ये वही रसायन हैं, जिनसे एमडी ड्रग्स बनता है। रिमांड के दौरान आरोपियों से उनके अन्य शहरों में नेटवर्क का भी पता लगाया जा रहा है।

कच्चा माल सप्लायर से मिला था सुराग..

जगदीशपुर में जुलाई माह में फैक्ट्री ने काम करना शुरू किया था। यहां समय-समय पर कच्चा माल और उपकरण जुटाए जा रहे थे। बड़े पैमाने पर केमिकल्स मुंबई से आते थे। डीआरआई ने यूपी के बस्ती से एक सप्लायर को गिरफ्तार किया था। उसने खुलासा किया था कि कच्चे माल की सप्लाई जगदीशपुर में की जा रही है। उसकी निशानदेही पर ही डीआरआई ने छापा मारा और फैक्ट्री का खुलासा किया है। वह मुंबई की भिवंडी से भोपाल तक केमिकल सप्लाई करता था।

छठा आरोपी भी रिमांड पर भेजा गया

एमडी ड्रग्स मामले में मंगलवार को डीआरआई ने छठे आरोपी रैन मोहम्मद अशरफ को जिला अदालत में पेश किया। कोर्ट ने उसे पूछताछ के लिए 22 अगस्त तक डीआरआई रिमांड पर भेज दिया। इससे पहले, रविवार को फैक्ट्री से पकड़े गए विदिशा निवासी रज्जाक और रायसेन निवासी अब्दुल फैजल को कोर्ट में पेश कर 23 अगस्त तक रिमांड पर लिया गया था। इनसे मिली जानकारी के आधार पर महाराष्ट्र से तीन आरोपी प्रशांत रमेश, वीरेन रजनीकांत और अजहरुद्दीन को गिरफ्तार किया गया। इन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश कर 21 अगस्त तक रिमांड पर भेजा गया है ।

अतिथि विद्वानों की नियुक्ति प्रक्रिया एक बार फिर उलझती

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के कालेजों में रिक्त पदों के विरुद्ध सेवा देने वाले अतिथि विद्वानों की नियुक्ति प्रक्रिया एक बार फिर उलझती नजर आ रही है। सत्र 2025-26 के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आमंत्रण प्रक्रिया शुरू की थी। जारी आदेश में सभी महाविद्यालयों को निर्देशित किया था कि आईएफएमआईएस पोर्टल पर रिक्त पदों को अद्यतन अनिवार्य रूप से किया जाए। इसके बावजूद भी कई प्राचार्यों ने पदों को अपडेट नहीं किया, जिससे वे चॉइस फिलिंग में दिखाई ही नहीं दे रहे। ऐसे में अतिथि विद्वानों को परेशान होना पड़ रहा है और नियुक्तियों के लिए और इंतज़ार करना होगा।

टक्कर मारने वाले कार चालक पर मामला दर्ज

मां की गोद से उछलकर गिरे डेढ़ साल के बच्चे की मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

रातीबड़ इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से स्कूटर पर बैठी महिला की गोद से डेढ़ साल का बच्चा उछलकर सड़क पर जा गिरा। उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज किया था। बच्चे की मौत के बाद चालक पर धाराएं बढ़ा दी गई हैं।

जानकारी के अनुसार ग्राम सिकंदराबाद थाना रातीबड़ में रहने वाले शेरू खान गाड़ी चलाने का काम करते हैं। मंगलवार दोपहर के वह अपनी बेटी तैयबा और दामाद शोएब को स्कूटर पर बिठाकर घर से भोपाल जाने के लिए निकले थे। तैयबा की गोद में उसका डेढ़ साल का बच्चा था। दोपहर करीब पौने एक बजे वह नीलबड़ चौराहा स्थित पुलिस चौकी के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार के चालक ने उनकी स्कूटर

में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तैयबा की गोद में बैठा बच्चा उछलकर सड़क पर जा गिरा, जिससे उसे अंदरूनी चोट आई। दंपति ने बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां कुछ देर बाद ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया। इधर शेरू की रिपोर्ट पर पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चलाक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज किया था। बच्चे की मौत के बाद चालक पर धाराएं बढ़ा दी गई हैं।

युवक ने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सूखी सेवनिया इलाके में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, जिससे खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। परिजन के बयान के बाद ही आत्महत्या के कारणों का पता चल पाएगा। जानकारी के अनुसार राजपाल मालवीय (20) ग्राम इमलिया थाना सूखी सेवनिया में रहता था और मजदूरी करता था। परिवार वाले अपने-अपने काम पर गए थे, जबकि राजपाल घर पर था। दोपहर के समय पिता की नजर पड़ी तो वह कमरे में फांसी के फंदे पर

लटका दिखा। खिड़की से हाथ डालकर किसी तरह दरवाजा खोला गया तो राजपाल की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। कमरे की तलाश में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान के बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

ट्रेनों व सड़कों पर मोबाइल फोन झटपने की घटना में इजाफा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी की सड़कों पर मोबाइलफोन झपटमार गैंग लगातार सक्रिय है। आए दिन इस तरह की घटना हो रही हैं। ट्रेनों में भी मोबाइल फोन झपटने की घटना सामने आ चुकी हैं। आलम यह

है कि गत दिवस भी दिन ढलते ही महज कुछ घंटों में तीन वारदातें सामने आईं। इनमें भाजपा जिला महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा मनोज विश्वकर्मा से सवा लाख रुपए का मोबाइल फोन छीन लिया गया, जबकि गोविंदपुरा इलाके में महिला समेत दो लोगों को निशाना बनाया गया। तीन में से दो घटनाएं गोविंदपुरा इलाके की हैं, वहीं तीसरी वारदात पिपलानी में हुई। माना जा रहा है कि कोईझ झपटमार गैंग संगठित तरीके से काम कर रहा है और पुलिस के तमाम इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। हालांकि पीड़ितों की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज खंगालने का काम जारी है। पुलिस का दावा है कि संदिग्धों की पहचान कर ली गई है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

बायपास के लिए सर्वे पूरा

भोपाल में अयोध्या बाइपास दस लेन तक चौड़ीकरण में रत्नागिरी से बाइपास की शुरुआत होगी। तक करीब पांच किमी में 472 निर्माण हटेंगे। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इसके लिए अपना सर्वे पूरा कर लिया है। प्रशासन को इन्हें हटाने के लिए पत्र भी लिख दिया है। संभवत: इस माह आखिर तक नोटिस देना शुरू कर दिया जाएगा। रत्नागिरी तिराहे से ही चौड़ीकरण का काम शुरू करेंगे। बायपास के पूरे चौड़ीकरण के लिए 8000 पेड़ों की कटाई प्रस्तावित है।

मेट्रो एंकर

डीजीपी से मिले प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर

‘पुलिस व प्रशासन की साझा भूमिका महत्वपूर्ण’

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 27 परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारियों ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना से सौजन्य भेंट की। डीजीपी मकवाना ने सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्य प्रणाली में पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। सुशासन एवं जनसेवा की दिशा में पुलिस और प्रशासन की साझा भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डीजीपी ने कहा कि आप सभी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में जनहित को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शीता एवं संवेदनशीलता से काम करें। उन्होंने कहा कि

आप जनता से जीवंत संपर्क बनाए रखें। इससे उनकी आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समझने में सहायता मिलेगी, उन्होंने अपने करियर के कुछ दिलचस्प अनुभव भी साझा किए और बताया कि यदि अधिकारी ईमानदारी और निष्ठा से काम करेंगे तो जनता का विश्वास स्वत~ जीता जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को नोट्स बनाने की आदत बनाए रखने और निरंतर सीखने पर जोर दिया। डीजीपी ने कहा कि आप जो भी अच्छा कार्य करेंगे, वही आपकी पहचान बनेगा और जीवनभर आपकी छवि को मजबूत करेगा। इस अवसर पर आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी की सह प्रशिक्षण संचालक रुचि जैन, पीएसओ टू डीजीपी विनीत कपूर, एसओ टू डीजीपी मलय जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार की टक्कर से स्कूटर सवार युवक घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बागसेवनिया इलाके में एक कार ने स्कूटर सवार युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार साकेत नगर में बागसेवनिया में रहने वाले सौरभ तिवारी (35) शासकीय कार्यालय

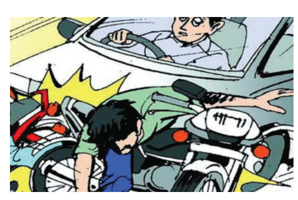

में क्लर्क हैं। मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे वह स्कूटर लेकर आफिस जाने के लिए निकले थे। घर से करीब पांच सौ मीटर दूर नगर निगम बस स्टाप के पास एक तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। टक्कर लगने से उनकी स्कूटर भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022